मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, सोमवार, 13 अक्टूबर 2025

संवत 2082, कार्तिक कृष्णपक्ष 6 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 35 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 हलधर नाग और संबलपुरी समाज

चुनौती से भरे किरदार करना चाहती हूं : सोनाक्षी 6

रांची पुलिस और सुजीत सिन्हा गैंग के बीच मुठभेड़,एक अपराधी को लगी गोली,हथियार बरामद

संवाददाता

रांची: सोमवार को रांची के तुपुदाना इलाके में पुलिस और संगठित आपराधिक गिरोह के बीच हुई मुठभेड़ में एक अपराधी घायल हुआ है। घायल अपराधी की पहचान आफताब के रूप में हुई है, जो जेल में बंद कुख्यात अपराधी सुजीत सिन्हा द्वारा संचालित केएसएस नामक गिरोह से जुड़ा है। पुलिस ने मुठभड वाले स्थान से तीन हथियार बरामद किए हैं। एसएसपी राकेश रंजन, ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर, हटिया डीएसपी सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर जायजा लिया।

घायल अपराधी आफताब बीते सप्ताह डोरंडा के कुसई कॉलोनी स्थित सत्यभामा अपार्टमेंट के बाहर हुई गोलीबारी में भी शामिल था। इस घटना को शहर में दहशत फैलाने और कारोबारियों से रंगदारी वसूलने के लिए अंजाम दिया गया था। गोलीबारी के बाद घटनास्थल से पुलिस को चार कागज के टुकड़े मिले थे, जिन पर लाल स्याही से कुबेर केकेएस लिखा था।

पुलिस का दावा है कि यह संगठित गिरोह दहशत फैलाने और बिल्डरों से वसूली करने के उद्देश्य से न सिर्फ पर्चे फेंक रहा है, बल्कि हवाई फायरिंग भी कर रहा है, ताकि व्यापारी वर्ग में डर पैदा कर उनसे आसानी से रंगदारी वसूली जा सके।

करूर भगदड़ कांड: सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाईकोर्ट का फैसला, सीबीआई जांच के दिए आदेश

चेन्नई :तमिलनाडु के करूर में तमिल अभिनेता और राजनेता विजय की राजनीतिक रैली के दौरान मची भगदड़ में 41 लोगों की मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बड़ा फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी है। कोर्ट ने इस मामले में 10 अक्टूबर को ही अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

जस्टिस जेके. माहेश्वरी और जस्टिस एनवी. अंजारिया की पीठ ने सीबीआई जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में एक निगरानी समिति का भी गठन किया है। यह समिति पूरी जांच प्रक्रिया पर अपनी नजर रखेगी।

यह मामला तब सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जब मद्रास हाईकोर्ट ने इस घटना की सीबीआई जांच की मांग को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ बीजेपी नेता उमा आनंदन ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी। अपनी याचिका में उन्होंने राज्य पुलिस की जांच पर अविश्वास जताते हुए एक स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की थी।

आपको बता दें कि यह दुखद घटना 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में हुई थी, जहां अभिनेता से राजनेता बने विजय की एक विशाल रैली का आयोजन किया गया था। रैली के दौरान भारी भीड़ के कारण अचानक भगदड़ मच गई, जिसमें कम से कम 41 लोगों की कुचलकर मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। इस घटना ने राज्य में राजनीतिक रैलियों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे।

आईईडी विस्फोट में घायल हाथनी की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता

चाईबासा: सारंडा वन्यजीव अभयारण्य में पिछले सप्ताह कथित तौर पर माओवादियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हुई 10 वर्षीय मादा हाथी की मौत हो गई। यह जानकारी वन अधिकारियों ने दी।

सारंडा प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) अविरूप सिन्हा ने बताया कि पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र के अंकुआ वन अभ्यारण्य में लगाए गए एक आईईडी पर पैर रखने से हथिनी के दाहिने पैर में गंभीर चोटें आईं। सिन्हा ने बताया कि विभाग को पिछले सोमवार को घायल हाथी के बारे में सूचना मिली थी और उसका इलाज शुरू कर दिया गया था। सिन्हा ने कहा, सारंडा वन्यजीव अभयारण्य में चाईबासा और ओडिशा के राउरकेला और क्योंझर वन प्रभागों के पशु चिकित्सकों की टीम को तैनात किया गया था। घटनास्थल पर एक मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई तैनात की गई थी और वंतारा (गुजरात) से एक विशेषज्ञ टीम भी बचाव और उपचार प्रयासों में शामिल हुई थी।

वन अधिकारी ने बताया, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, हाथी की मौत सेप्टीसीमिया के कारण हुई, जिसके कारण उसके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया। इस घटना ने क्षेत्र में वन्यजीव सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं, क्योंकि नक्सलियों द्वारा लगाए गए विस्फोटक अब न केवल सुरक्षा बलों के लिए बल्कि वन्यजीवों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं। वन अधिकारियों ने बताया, उसे बेहोश कर दिया गया और एंटीबायोटिक्स व दर्द निवारक दवाएं दी गईं। टीम ने कई दिनों तक उसकी देखभाल जारी रखी, लेकिन गंभीर चोटों और संक्रमण के कारण हथिनी की जान नहीं बचाई जा सकी।

बिहार विस चुनाव: दूसरे चरण के चुनाव के लिए अधिसूचना जारी, 11 नवंबर को होगी वोटिंग

पटना: बिहार विधानसभा की 243 में से दूसरे और अंतिम चरण में 122 सीट पर 11 नवंबर को होने वाले चुनाव के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी गई है। राज्य निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, बिहार की 122 विधानसभा सीट के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसके साथ ही इन क्षेत्रों के लिए नामांकन भरने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। उम्मीदवार 20 अक्तूबर तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 21 अक्तूबर को होगी और 23 अक्तूबर तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकेंगे।

इसी के साथ पंजाब के तरनतारन, राजस्थान के अंता, ओडिशा के नुआपारा, झारखंड के घाटशिला, तेलंगाना के जुबली हिल्स, मिजोरम के डम्पा और केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर विधानसभा की नगरोटा व बडगांव की रिक़्त सीटों के उपचुनावों के लिए भी अलग-अलग अधिसूचना जारी की गई है।

बिहार में विधानसभा की कुल 243 सीटों के लिए दो चरणों में छह और 11 नवंबर को चुनाव कराए जाएंगे। बिहार में दूसरे चरण के चुनाव के साथ ही पंजाब, राजस्थान, ओडिशा, झारखंड, तेलंगाना, मिजोरम तथा जम्मू- कश्मीर के विधानसभा के उपचनाव 11 नवंबर को कराए जाने हैं। इन सभी चुनाव की मतगणना 14 नवंबर को करायी जाएगी। अधिसूचनायें जारी होने के साथ ही बिहार की दूसरे चरण के चुनाव और अन्य राज्यों के उपचुनावों के लिए प्रत्याशियों के नामांकन की प्रक्रिया भी आज से शुरू हो जाएगी।

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा की 243 सीटों के लिए दो चरण में 06 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान कराया जाना है। 14 नवंबर को मतगणना होगी और चुनाव की प्रक्रिया 16 नवंबर तक पूरी हो जायेगी। बिहार विधानसभा का वर्तमान कार्यकाल 22 नवंबर 2025 को समाप्त हो रहा है।

सड़क से फिसलकर खाई में गिरी बस, 42 की मौत

नई दिल्ली: दक्षिण अफ्रीका के उत्तर में एक पर्वतीय क्षेत्र में हुई बस दुर्घटना में कम से कम 42 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। दुर्घटना रविवार को राजधानी प्रिटोरिया से लगभग 400 किलोमीटर उत्तर में लुई ट्रिचर्ड शहर के पास एन1 राजमार्ग पर हुई। सड़क यातायात प्रबंधन निगम के प्रवक्ता साइमन जवाने ने दक्षिण अफ्रीका के न्यूज24' समाचार आउटलेट को बताया कि अधिकारियों ने 42 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है, लेकिन मृतकों और घायलों की संख्या की पुष्टि अब भी जारी है। प्रांतीय सरकार ने कहा कि बस एक खड़े पर्वतीय दर्रे के पास सड़क से फिसलकर एक खाई में गिर गई। अधिकारियों द्वारा जारी की गई तस्वीरों में नीली बस खाई में उल्टी पड़ी दिख रही है। अधिकारियों ने बताया कि बस दक्षिण अफ्रीका के ईस्टर्न केप से देश के दक्षिण में आ रही थी। लिम्पोपो प्रांत की सरकार ने एक बयान में कहा कि माना जा रहा है कि बस में जिम्बाब्वे और मलावी के नागरिक सवार थे जो अपने देश जा रहे थे। प्रांतीय सरकार ने तत्काल घायलों की संख्या नहीं बताई, लेकिन कहा कि कई जीवित बचे लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

दशम फॉल में नहाने के दौरान डूबा युवक

रांची: जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल दशम फॉल में रविवार शाम एक हादसा हो गया। जानकारी के अनुसार 37 वर्षीय रोशन कुमार, पिता दिनेश ठाकुर, जो मूल रूप से मधुबनी (बिहार) के कालिका रामनगर के रहने वाले हैं। फिलहाल पिस्का मोड़, पंडरा स्थित रवि स्टील में काम करते थे, नहाने के दौरान पानी के तेज बहाव में डूब गए। घटना रविवार शाम करीब 3:30 बजे की बताई जा रही है। रोशन अपने पांच दोस्तों के साथ स्कॉर्पियो से दशम फॉल घूमने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि सभी मित्र अपने साथ पैक खाना लेकर आए थे। नहाने के दौरान रोशन चट्टान फांदकर फॉल से लगभग एक किलोमीटर ऊपर निर्जन इलाके की ओर चले गए। काफी देर तक नहीं लौटने पर दोस्तों ने वहां तैनात पर्यटक मित्रों को सूचना दी खोजबीन के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि युवक चट्टान पार कर लौटते समय पैर फिसलने से पानी के तेज बहाव में बह गया। सूचना मिलते ही दशम फॉल थाना प्रभारी प्रशांत गौरव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पर्यटक मित्रों की मदद से तलाशी अभियान शुरू किया गया। थाना प्रभारी प्रशांत गौरव ने बताया कि रविवार शाम तक काफी खोजबीन के बाद भी युवक का कोई पता नहीं चल सका। अंधेरा होने के कारण सर्च ऑपरेशन रोका गया है। सोमवार सुबह फिर से तलाश शुरू की गयी। पर्यटक मित्र ने बताया कि युवक अपने दोस्तों से अलग होकर काफी ऊपर चला गया था। हम लोगों को सूचना मिलते ही खोज शुरू की लेकिन पानी का बहाव बहुत तेज था। शायद वो फिसलकर सीधे गहरे हिस्से में चला गया। पुलिस व पर्यटक मित्र दल ने बताया कि सोमवार सुबह फिर से सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से पानी में तलाशी अभियान चलाया जाएगा।

नक्सलियों ने उड़ाया मोबाइल टावर की नारेबाजी, दहशत में ग्रामीण

चाईबासा: पश्चिम सिंहभूम जिले के मनोहरपुर प्रखंड अंतर्गत कोलबोंगा गांव में नक्सलियों ने एक निजी मोबाइल टावर को निशाना बनाते हुए भारी नुकसान पहुंचाया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि करीब दर्जनों की संख्या में हथियारबंद नक्सली कल देर रात गांव पहुंचे और टावर के पास रखे जनरेटर, बैटरी सेट और विद्युत तारों में आग लगा दी। देखते ही देखते आग इतनी भयानक हो गई कि कुछ ही मिनटों में पूरा उपकरण जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नक्सलियों ने पहले पूरे टावर इलाके को घेर लिया ताकि कोई ग्रामीण उन्हें रोक न सके। इसके बाद उन्होंने डीजी सेट, बैटरी बैंक समेत सभी आवश्यक संचार उपकरणों को जलाना शुरू कर दिया।

आगजनी के दौरान नक्सलियों ने इलाके में दहशत फैलाने के लिए नारेबाजी भी की और ग्रामीणों को चेतावनी दी कि सुरक्षाबलों के सहयोगियों को बख्शा नहीं जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही मनोहरपुर थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक टावर के सारे उपकरण जल चुके थे। प्रारंभिक जांच में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया है। पुलिस ने पूरे इलाके में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और नक्सलियों की पहचान में जुटी है। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीण रातभर घरों से बाहर नहीं निकले। प्रशासन ने क्षेत्र में अतिरिक्त सुरक्षा बल की तैनाती कर दी है ताकि दोबारा इस तरह की घटना न हो सके।

आईआरसीटीसी घोटाला केस में लालू परिवार पर आरोप तय

पद का दुरुपयोग और साजिश रची गई: कोर्ट

नई दिल्ली : राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सोमवार को आईआरसीटीसी घोटाले में तीनों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं।

विशेष सीबीआई अदालत ने अपने आदेश में कहा कि लालू यादव ने टेंडर प्रक्रिया में सीधा हस्तक्षेप किया और प्रक्रिया में बदलाव कराया, जिससे भ्रष्टाचार और साजिश की पुष्टि होती है। कोर्ट ने माना कि यह सब कुछ लालू यादव की जानकारी और सहमति से हुआ।

सीबीआई की विशेष अदालत के जज विशाल गोगने ने सोमवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि लालू यादव ने सरकारी पद का दुरुपयोग किया। कोर्ट ने लालू, राबड़ी और तेजस्वी के खिलाफ धोखाधड़ी, साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं।

इससे पहले तीनों नेता– लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव– व्यक्तिगत रूप से राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। लालू यादव इस दौरान व्हीलचेयर पर कोर्ट पहुंचे। कोर्ट ने सभी आरोपियों की उपस्थिति को अनिवार्य बताया था।

आईआरसीटीसी घोटाले में आरोप है कि जब लालू यादव रेलमंत्री थे, तब रांची और पुरी स्थित बीएनआर होटल के टेंडर में भारी अनियमितताएं हुईं। इन होटलों को प्राइवेट कंपनी को सौंपने के एवज में लालू परिवार से जुड़ी कंपनियों को जमीनें दी गईं।

सीबीआई ने इस मामले में लालू, राबड़ी, तेजस्वी सहित कई अन्य आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश), 420 (धोखाधड़ी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत आरोप पत्र दाखिल किया था। वहीं लैंड फॉर जॉब केस में 25 अगस्त 2025 को पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने और सबूतों की समीक्षा करने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज इस मामले में भी आरोप तय किए जाएंगे।

इधर, बिहार की राजनीति में भी इस फैसले को लेकर हलचल तेज हो गई है। महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर आरजेडी और कांग्रेस के बीच खींचतान जारी है। आरजेडी ने कांग्रेस को 52 सीटों का ऑफर दिया है, जबकि कांग्रेस 60 सीटों की मांग पर अड़ी हुई है। इसी बीच कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक भी आज दिल्ली में होने वाली है, जिसे बिहार महागठबंधन के लिए अहम माना जा रहा है। फिलहाल लालू यादव और तेजस्वी यादव दिल्ली में मीसा भारती के पंडारा पार्क स्थित आवास पर ठहरे हुए हैं। अदालत के फैसले के बाद इस मामले की अगली सुनवाई तय की जाएगी।

घाटशिला उपचुनाव राज्य को दलालों और बिचौलियों से बचाने का चुनाव : बाबूलाल मरांडी

संवाददाता

रांची/घाटशिला : झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के गुड़ाबांदा मैदान में आयोजित बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। इस मौके पर जमशेदपुर सांसद विद्युत वरण महतो, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेशानंद गोस्वामी, पूर्व विधायक राम कुमार पाहन सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

यह चुनाव झारखंड को बचाने का चुनाव हैः मरांडी ने अपने संबोधन में कहा कि घाटशिला उपचुनाव सिर्फ एक विधानसभा सीट का चुनाव नहीं है, बल्कि यह झारखंड को दलालों, बिचौलियों और भ्रष्टाचारियों से बचाने का चुनाव है। उन्होंने कहा कि मौजूदा हेमंत सरकार कहने को अबुआ सरकार है, लेकिन आज आदिवासी और मूलवासी सबसे ज्यादा पीड़ित हैं।

राज्य में माफियाओं का बोलबाला, भ्रष्टाचार चरम परः भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राज्य में बिचौलिए, माफिया और दलालों का बोलबाला है। विकास के काम ठप पड़े हैं और आम जनता को घर बनाने के लिए बालू तक नहीं मिल पा रहा। उन्होंने कहा कि जब हमारी सरकार थी, तो जनता के लिए बालू को फ्री किया गया था। लेकिन 2013 में जब हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने, तो उन्होंने बालू घाटों को बाहरी

राज्यों के दलालों को सौंप दिया। मरांडी ने कहा कि आज गरीब जब नदी से बालू उठाता है, तो पुलिस उस पर कार्रवाई करती है, जबकि बड़े माफिया खुलेआम बालू की लूट में लगे हैं।

घाटशिला उपचुनाव देगा राज्य को नई दिशाः मरांडी ने कहा कि घाटशिला की जनता आगामी उपचुनाव में ऐसा संदेश देगी जो झारखंड को दलालों और बिचौलियों से मुक्त करने का प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य के प्राकृतिक संसाधनों की लूट हो रही है और अब राज्य की जनसांख्यिकी भी बदल रही है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रही सरकारः मरांडी ने जनगणना के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 1951 में आदिवासियों की आबादी 36% थी, जो अब 26% पर सिमट गई है। इसी तरह, सनातनी हिंदू आबादी 88% से घटकर 81% रह गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 8.9% से बढ़कर 14.3% तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि यह सामान्य वृद्धि नहीं, बल्कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण हो रही जनसांख्यिकीय बदलाव का परिणाम है, जिसे मौजूदा सरकार संरक्षण दे रही है।

राज्य की माटी, रोटी और बेटी की रक्षा को भाजपा संकल्पितः बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भाजपा झारखंड की माटी, रोटी और बेटी की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव राज्य की अस्मिता और सुरक्षा का सवाल है। मरांडी ने पार्टी कार्यकताओं से एकजुट होकर जीत का संकल्प पूरा करने का आह्वान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि चाकुलिया जैसे गांव, जहां कभी मुस्लिम आबादी नहीं थी, अब वहां भी लोग आधार कार्ड बनवा रहे हैं। यह सब एक सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा है।

रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत, गांव में छाया मातम

संवाददाता

चतराः इटखोरी प्रखंड के बलहरी गांव के निवासी मिठू रविदास के पुत्र 28 वर्षीय उपेंद्र दास का रोड एक्सीडेंट में मौत हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार उपेंद्र किसी काम से अपने घर बलहरी से कर्मा जा रहा था, उसी बिच बंजारा होटल के पास अज्ञात वाहन के चपेट में आ गया जिससे बुरी तरह से गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके बाद ग्रामीणों के द्वारा उपेंद्र को इटखोरी सामुदायिक स्वस्थ केंद्र में भर्ती कराया गया जहाँ डाक्टरों द्वारा इलाज कर बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया। वहां पहुंचते हीं हजारीबाग सदर अस्पताल में भर्ती किया गया जहां इलाज के दौरान डाक्टर ने उपेंद्र को मृत घोषित कर दिया है। यह घटना रविवार को लगभग शाम 07:00 बजे की है। उपेंद्र के मौत से पुरे गांव में मातम छा गया है।

रांची कुड़मी समाज की मांग संवैधानिक और न्यायोचित, विरोध अनुचितः शीतल ओहदार

संवाददाता

हजारीबाग : युवराज पैलेस में रविवार को बृहद झारखंड कुड़मी समन्वय समिति की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के संयोजक कपिल देव महतो ने की, जबकि संचालन केंद्रीय प्रवक्ता रोशन पटेल ने किया। बैठक में बृहद झारखंड कुड़मी अधिकार महारैली के मुख्य संयोजक शीतल ओहदार और मीडिया प्रभारी सखीचंद महतो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

2 नवंबर को हजारीबाग में होगी ऐतिहासिक रैली : मुख्य संयोजक शीतल ओहदार ने कहा कि आगामी 2 नवंबर 2025 को हजारीबाग में आयोजित होने वाली कुड़मी अधिकार रैली ऐतिहासिक होगी। उन्होंने बताया कि इस रैली में समाज के लाखों लोग पारंपरिक वेशभूषा, वाद्य यंत्रों और प्रतीकात्मक हथियारों के साथ शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह रैली समाज की एकजुटता और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के प्रति समर्पण का प्रतीक होगी।

हमारी मांग पूरी तरह संवैधानिकः शीतल ओहदार ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि कुड़मी समाज की एटी (आदिवासी दर्जा) की मांग पूरी तरह संवैधानिक है। उन्होंने कहा कि हमारी यह मांग न तो किसी के खिलाफ है और न ही किसी के अधिकार को छीनने वाली। यह हमारा संवैधानिक हक है और इसका विरोध अनुचित है। हमारा आंदोलन शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक रहेगा, ताकि सरकार तक समाज की एकजुट आवाज पहुंच सके।

रैलियों से तय होगी आंदोलन की दिशाः अध्यक्ष कपिल देव महतो ने कहा कि झारखंड के विभिन्न जिलों में कुड़मी अधिकार रैलियां आयोजित की जाएंगी, जिनमें पहली रैली हजारीबाग से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि यह रैली आगे के अभियानों की दिशा और स्वरूप तय करने में अहम भूमिका निभाएगी। बैठक में रैली की तैयारियों की समीक्षा की गई और अलग-अलग क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

कार्य विभाजन और प्रतिनिधियों की भागीदारीः रैली की तैयारी के लिए कपिल देव महतो (दाढ़ी प्रखंड), किशोर महतो (चरही), संजय महतो (हेंदेगढा), सुरेंद्र महतो (चूरचू), सुधीर कुमार (डाड़ी), संजय महतो व फुलेश्वर महतो (कटमदाग), गणेश महतो, रोशन पटेल, अभिजीत कुमार महतो, जयप्रकाश महतो और मनोज महतो (विष्णुगढ़) को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गईं। बैठक में रांची जिला अध्यक्ष सोना लाल महतो, चुरचू प्रखंड प्रमुख किसून महतो, अधिवक्ता रोशन पटेल, केंद्रीय सदस्य सुधीर कुमार, गणेश महतो, ओमप्रकाश महतो, कृष्ण देव महतो, संदीप महतो, घनश्याम महतो, अजय कुमार महतो, पवन महतो, अनिल कुमार महतो और रवि कुमार महतो सहित बड़ी संख्या में प्रतिनिधि शामिल हुए।

सात साल में अधूरा है अस्पताल, पूरा होने से पहले ही दीवारों में आयी दरारें

ग्रामीणों का आक्रोश, आंदोलन की दी चेतावनी

संवाददाता

खूंटीः झारखंड के एक गांव में पिछले 7-8 साल से बन रहा एक सरकारी अस्पताल का भवन सरकारी विभागों में पैसों की 'बंदरबांट' और निर्माण कार्य में गुणवत्ता की भारी चूक का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा है। भवन का काम पूरा होने से पहले ही उसके दरवाजे और छज्जे गिरने के कगार पर पहुंच गए हैं, जबकि दीवारों पर मोटे-मोटे दरारें साफ नजर आ रही हैं।

यह नजारा स्थानीय ग्रामीणों के आक्रोश का कारण बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि यह निर्माण कार्य उनकी आंखों के सामने लगातार हो रही लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार का सबूत है। हैरानी की बात यह है कि गांव के वर्तमान और पूर्व मुखिया तक को यह जानकारी नहीं है कि यह अस्पताल राज्य सरकार के धन से बन रहा है या केंद्र सरकार के। इसकी कुल लागत क्या है और निर्माण की जिम्मेदारी किसकी है, इस बारे में कोई पारदर्शिता नहीं है।

एक ग्रामीण ने कहा यह हमारे साथ धोखा है। इतने साल से पैसा बह रहा है, लेकिन अस्पताल बनना तो दूर, जो बना है वह भी गिरने वाला है। कोई भी सरकारी अधिकारी कभी गुणवत्ता की जांच करने नहीं आता। स्थिति से नाराज ग्रामीणों ने अब मुखर विरोध जताने का फैसला किया है। उन्होंने इस मामले की शिकायत स्वास्थ्य मंत्री ईरफान अंसारी और रांची के जिला दंडाधिकारी (डीसी) के पास भेजने का मन बनाया है। इसको लेकर आस-पास के कई गांवों के सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने एक सभा कर आंदोलन की चेतावनी भी दे डाली है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई और भवन निर्माण में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो वे बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। यह मामला सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और निगरानी तंत्र पर एक बड़ा सवाल खड़ा करता है।

डीएवी पब्लिक स्कूल में 'रन फॉर डीएवी' का सफल आयोजन

खूंटीः जिले में सामुदायिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खूंटी डीएवी पब्लिक स्कूल में आज 'रन फॉर डीएवी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्राचार्य मनोजेश्वर कुमार ने छात्रों को इसके उद्देश्यों से अवगत कराकर की। इसके बाद, खेल शिक्षक मृत्युंजय कुमार सिंह के निर्देशन में एक सामूहिक दौड़ का आयोजन किया गया। यह दौड़ विद्यालय परिसर से शुरू होकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस चौक और भगत सिंह चौक से होती हुई डाक बंगला रोड के मार्ग से वापस विद्यालय पहुँची। दौड़ के दौरान छात्रों ने हाथों में प्लाकार्ड लेकर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। इसका मुख्य उद्देश्य समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं के बीच एक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। बालक वर्ग में हर्ष कुमार ने प्रथम, प्रेम हेंब्रम ने द्वितीय और आगमन बगरेला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में रवीना कच्छप, अनुष्का वर्मा और रीतिका इंदीवार ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं, खुशी कुमारी, संतोषी कुमारी और नूपुर सिंह द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि आरिका सिंह, व्याख्या भारती और फातिमा खान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को प्राचार्य ने मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने अपने संबोधन में इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी छात्रों और शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्रों में सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक दायित्व की भावना विकसित करते हैं।

शहिन्द्र महतो बने खूंटी जिला ओबीसी कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष, बधाई

संवाददाता

खूंटी : झारखंड कांग्रेस में आज एक महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति हुई, जिसे प्रदेश और जिला स्तर के नेताओं का व्यापक समर्थन मिला। प्रदेश अध्यक्ष श्री केशव महतो 'कमलेश' और प्रदेश ओबीसी प्रकोष्ठ के सह-प्रभारी श्री अभीलास साहू ने आज पार्टी कार्यालय में शहिन्द्र महतो को खूंटी जिला ओबीसी कांग्रेस कमिटी का जिला अध्यक्ष नियुक्त करने का प्रमाण पत्र प्रदान किया।

इस अवसर पर प्रदेश नेताओं ने शहिन्द्र महतो का फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया और उनसे कांग्रेस की नीतियों एवं सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

इस नियुक्ति का जिला स्तर पर भी गर्मजोशी से स्वागत किया गया। खूंटी जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री रवि मिश्रा ने अपनी पूरी जिला कमिटी के पदाधिकारियों के साथ स्थानीय भगत सिंह चौक पर शहिन्द्र महतो का माला पहनाकर स्वागत किया। श्री मिश्रा ने कहा, आप दोनों (नवनियुक्त अध्यक्ष और उनकी टीम) को प्रदेश से जो जिम्मेदारी मिली है, उसे जिले में हर संभव तरीके से पूरा करने और त्वरित रूप से अपनी-अपनी कमिटी को दुरुस्त करके जिला कमिटी को सौंपने की आवश्यकता है।

खूंटी के सांसद श्री कालीचरण मुंडा ने भी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कांग्रेस के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निष्ठापूर्वक निभाने की शुभकामना दी।

इस अवसर पर पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने शहिन्द्र महतो को बधाई दी। इनमें प्रदेश सचिव श्री पीटर मुंडू, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव नईमुदीन खां, आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विलसन तोपनो, विक्रम नाग, रविकांत मिश्रा, शांता खाखा, हेलेन तिड़ू, धूमेश लोहरा, सुषमा भेंगरा, हेरमन, मगरीता खेस, अनीता नाग,सुसारी पुर्ती, जेम्स तोपनो, अनमोल होरो और लव भगत प्रमुख रूप से शामिल थे। माना जा रहा है कि यह नियुक्ति झारखंड कांग्रेस द्वारा आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए जिला स्तर पर संगठन को मजबूत करने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

सामूहिक दुष्कर्म के मामले में छह गिरफ्तार

तमाड़ः थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा दो नाबालिगों को निरूद्ध किया है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, यह घटना 30 सितंबर को घटी। आरोप है कि पीड़िता के प्रेमी सुषेन मछुवा ने उसे मेला देखने के बहाने घर से निकाला और तमाड़ के मारधान मोड़ पर ले गया। वहाँ कुछ अन्य युवक पहले से मौजूद थे। इसके बाद पीड़िता और उसके प्रेमी को दो मोटरसाइकिलों पर बैठाकर सुनसान इलाके सोनादुगरी ले जाया गया। रास्ते में प्रेमी को उतारने के बाद, आरोपियों कपिल महतो, जलेश्वर महतो, आकाश महतो और एक नाबालिग बालक ने युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इसके कुछ देर बाद ही बोलेरो वाहन में सवार मस्तान महतो, मनोज पुरान, उमेश महतो, तुलसी महतो और एक अन्य नाबालिग वहाँ पहुँचे और उन्होंने भी पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया। आरोपों के मुताबिक, इसके बाद पीड़िता को बोलेरो में बैठाकर एनएच-33 के लौन्ड्रा पुल के पास लाया गया। अंततः मुख्य आरोपी मस्तान महतो उसे बुण्डू स्थित अपने किराए के कमरे में ले गया, जहाँ उसने उसके साथ शारीरिक शोषण जारी रखा और उसे कई दिनों तक बंधक बनाकर रखा। डीएसपी ओमप्रकाश के नेतृत्व में गठित एक विशेष पुलिस टीम ने मामले की छानबीन की और छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अन्य फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। यह घटना न केवल कानून-व्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती है, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता पर भी एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाती है। इस जघन्य अपराध के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग समाज के हर तबके से की जा रही है।

पेरवाघाघ जलप्रपात में असम के मजदूर की डूबने की खबर, शाम तक नहीं मिला कोई सुराग

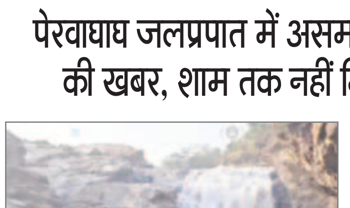

खूंटीः जिला स्थित प्रसिद्ध पेरवाघाघ जलप्रपात में रविवार को असम के एक मजदूर की डूबने की खबर आ रही है। घटना रविवार, 12 अक्टूबर को दोपहर लगभग 2 बजे की बताई जा रही है। डूबे हुए युवक की पहचान असम निवासी 36 वर्षीय राजू उर्फ रायबुल अली के रूप में हुई है। वह पेरवाघाघ परिसर में चल रहे एक निर्माण कार्य में मजदूरी करता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजू जलप्रपात के ऊपरी हिस्से में झरने के नजदीक नहा रहा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह पानी के तेज बहाव में बह गया। आस-पास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। घटना की सूचना मिलते ही तपकारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शाम तक व्यापक खोजबीन और बचाव अभियान चलाया। हालांकि, रविवार शाम 7 बजे तक भी राजू का कोई सुराग नहीं लग पाया। अब अगले दिन खोजबीन प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

कुष्ठ खोजी रोग अभियान-2025 के सफल संचालन को लेकर उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक

संवाददाता

चतराः जिले में कुष्ठ खोजी रोग अभियान-2025 के सफल क्रियान्वयन के उद्देश्य से रविवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त श्रीमती कीर्तिश्री जी की अध्यक्षता में एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित अधिकारियों को अभियान को प्रभावी बनाने के लिए ठोस रणनीति तैयार करने तथा व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में सिविल सर्जन जगदीश प्रसाद ने जानकारी दिया कि कुष्ठ खोजी रोग अभियान चतरा जिले में 10 नवंबर से 26 नवंबर 2025 तक चलाया जाएगा। इस दौरान जिले के सभी पंचायतों, विद्यालयों और आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से

ग्रामीण स्तर पर लोगों को कुष्ठ रोग के लक्षणों एवं उपचार के बारे में जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कुष्ठ रोग छूने से नहीं फैलता है और एमडीटी दवा के सेवन से इसका पूर्ण उपचार संभव है।सिविल सर्जन ने कुष्ठ रोग से संबंधित प्रमुख लक्षणों की जानकारी भी दी, जिनमें त्वचा पर बदरंग दाग और सुन्नपन, गठान का होना, भौं का झड़ना, चेहरे पर बदलाव, आंखों में परेशानी, हाथ-पांव में झुनझुनी, पकड़ने में कठिनाई, जलने का एहसास न होना और हाथ-पांव में दर्दरहित घाव जैसे संकेत शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे किसी भी लक्षण के पाए जाने पर लोग छिपाएं नहीं बल्कि तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच और इलाज कराएं। अभियान के तहत पंचायत स्तर पर ग्राम सभा में मुखिया, आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका एवं विद्यालय स्तर पर शिक्षकों की मदद से कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों की पहचान की जाएगी ताकि उनका समुचित उपचार सुनिश्चित किया जा सके।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी तथा एनएलआर रांची से आए काशीनाथ चक्रवर्ती ने कुष्ठ रोगियों के डीपीएमआर (विकलांगता रोकथाम और पुनर्वास) पर जानकारी दी। उप विकास आयुक्त ने कहा कि आगामी शिक्षा और समाज कल्याण विभाग की मासिक समीक्षा बैठकों में इस अभियान से संबंधित जानकारी दी जाएगी ताकि विद्यालयों में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं की पूर्ण शारीरिक जांच सुनिश्चित हो सके।फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. आशीष पाठक ने बताया कि जिले में कुष्ठ रोगियों को नियमित इलाज के साथ-साथ प्रत्येक माह खाद्य पूरक के रूप में ?500 की सहायता राशि भी दी जा रही है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अभियान को जनभागीदारी से जोड़ते हुए हर स्तर पर सघन रूप से चलाया जाए, ताकि कोई भी संभावित मरीज छूट न जाए।बैठक में सिमरिया एसडीओ, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. उत्तम, आरबीकेएस डॉक्टर सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

घाटशिला विधानसभा उपचुनावःमुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता

रांचीः 11 नवंबर को घाटशिला विधानसभा उपचुनाव होने हैं। इसके चलते राज्य में तैयारियां शुरू हो गई हैं। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि घाटशिला में प्रत्येक बूथ मॉडल बूथ के रूप में कार्य करेंगे।

मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए गाइडलाइन्स को फॉलो करते हुए मतदान हेतु सभी एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। के. रवि कुमार घाटशिला अनुमंडल सभागार में 45-घाटशिला (अ.ज.जा.) विधानसभा उप चुनाव के लिए वरीय पदाधिकारियों के साथ

समीक्षा बैठक करते हुए कहा कि निर्वाचन कार्य में जीरो एरर के साथ कार्य करना है। मतदान के लिए प्रत्येक बिंदुओं पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विस्तृत नियमावली बनाए गए है एवं हर कार्य के लिए मॉड्यूल एवं एसओपी बने हुए है, सभी पदाधिकारी अपने कार्यों के संपादन के लिए इन दिशा निर्देशों का अक्षरशः: अनुपालन सुनिश्चित करें।

कुमार ने कहा कि निर्वाचन कार्य को त्रुटि रहित बनाने के लिए एवं मतदान प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए तैयार दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही पदाधिकारियों को ट्रेनिंग देना सुनिश्चित करें। सोशल मीडिया पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों पर विशेष ध्यान रखें। इसके लिए प्रतिनिधियों के सोशल मीडिया के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर लें एवं उन्हें आदर्श आचार संहिता के क्या करें क्या न करें का बिंदुवार जानकारी उपलब्ध करा दें।

चेन स्नैचिंग का शिकार हुई महिला

रांची : राजधानी के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में स्नैचिंग की एक घटना सामने आई है। अरगोड़ा के साकेत विहार कॉलोनी की रहनेवाली एक महिला स्नैचिंग का शिकार हुई हैं. जानकारी के अनुसार, सोहराय भवन के पास ही बाइक सवार स्नैचरों ने इस वारदात को अंजाम दिया। स्नैचर महिला के गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए. इस घटना को लेकर महिला ने अरगोड़ा थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मंत्री इरफान अंसारी के बेटे को हीरोपंती पड़ी महंगी

सनरूफ पर स्टंट का वीडियो वायरल होते ही उपायुक्त ने दिए एक्शन के आदेश

संवाददाता

रांची : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बेटे कृष अंसारी एक बार फिर विवादों में हैं। इस बार उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह गाड़ियों के काफिले के बीच चलती कार के सनरूफ से बाहर निकलकर हाथ हिलाते नजर आ रहे हैं। मामले का संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन ने उन पर 3650 का जुर्माना लगाया है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस वीडियो में कृष अंसारी सनरूफ से बाहर खड़े होकर स्टंट करते दिख रहे हैं। इस वीडियो को एक गंभीर सुरक्षा उल्लंघन मानते हुए उपायुक्त (डीसी) मंजूनाथ भजंत्री ने स्वतः संज्ञान लिया। उन्होंने ट्वीट कर जिला परिवहन

पदाधिकारी (डीटीओ) को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए और रांची पुलिस को टैग कर रिपोर्ट भी मांगी।

प्रशासन ने मोटर व्हीकल एक्ट 1988 की विभिन्न धाराओं, जिनमें असुरक्षित ड्राइविंग और सीट बेल्ट उल्लंघन जैसे नियम शामिल हैं, के तहत कार्रवाई करते हुए स्वास्थ्य मंत्री के बेटे पर 3650 का चालान काटा है।

यह पहली बार नहीं है जब मंत्री पुत्र कृष अंसारी इस तरह चर्चा में आए हैं। इससे पहले भी उनका अस्पतालों का दौरा करने का वीडियो वायरल हुआ था। एक वीडियो में वह रिम्स में मरीजों से उनका हालचाल पूछते दिखे थे, जबकि उनके साथ मौजूद लोग उन्हें मंत्री जी का बड़ा बेटा बताकर समस्याएं रखने को कह रहे थे।

हालांकि, उस समय सोशल मीडिया पर लगे निरीक्षण के आरोपों को मंत्री इरफान अंसारी ने सिरे से खारिज कर दिया था।

पायलट ट्रेनिंग के दौरान जोहानसबर्ग में विमान क्रैश होने से रांची के युवक की मौत

मेट्रो रेज

रांचीः दक्षिण अफ्रीका के जोहानसबर्ग में पायलट ट्रेनिंग के दौरान विमान क्रैश होने से रांची के युवक पीयूष पुष्प की दर्दनाक मौत हो गई। 20 वर्षीय पीयूष रांची के अरगोड़ा कटहल मोड़, लाजपत नगर के निवासी और रांची स्थित जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के पूर्व शिक्षक टीएन साहू के पुत्र थे। ट्रेनिंग के दौरान विमान उड़ाते समय अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण विमान

दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल पीयूष को जोहानसबर्ग के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। पीयूष दक्षिण अफ्रीका के प्रतिष्ठित वालकैन एविएशन इंस्टीट्यूट में पायलट ट्रेनिंग ले रहा था। जोहानसबर्ग में भारतीय दूतावास के माध्यम से पीयूष का पार्थिव शरीर भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पीयूष रांची स्थित जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली का पूर्व छात्र था।

छठ महापर्व धूमधाम से मनाने की तैयारी कर रहा भारतीय यूथ संगठन महाछठ पूजा समिति

रांचीः भारतीय यूथ संगठन महाछठ पूजा समिति राजभवन परिसर हटानिया तालाब, रांची हरेक वर्ष की तरह इस साल भी छठ महापर्व भव्य रूप से मनाने की जोरदार तैयारियां कर रहा है। आज कमेटी गठन के बाद सर्वसम्मति से छठ महापर्व धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया । साज सज्जा रंग रोगन और अदभुत बिद्युत लाइटिंग जो की बंगाल से मँगवाया जा रहा है तथा बंगाल के ही कुशल कारीगरों द्वारा पुष्प से पूरा तालाब परिसर को भी

सजाया जायेगा। इस बार यह भी निर्णय लिया गया है कि हर मार्ग पर बड़े बड़े तोरण द्वार बनाये जाएगे तथा भक्तों और श्रद्धालुओं के लिये विशेष तौर पर तालाब परिसर में सुरक्षा और साफ सफाई के साथ- साथ सीसी टीवी द्वारा तथा जिला प्रशासन की तरफ से विधि व्यवस्था की पुख़्ता व्यवस्था की जाएगी। समिति द्वारा छट व्रतियों के लिए सुरक्षित चेजिंग रूम और दूध फल की भी इंतजाम किया जाएगा । इस बार का यह आयोजन विशेष रूप से छठ व्रतियों के लिए समर्पण होगा । किसी तरह की कोई परेशानी किसी को ना हो तथा हर व्रतियों के लिए जगह भी पूर्ण रूप से सुरक्षित की जाएगी ।

रैकेट स्पोर्ट्स फेस्ट 2025

साहिल अमीन बने लॉन टेनिस विजेता

जमशेदपुर : जेआरडी. टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में दो दिवसीय रैकेट स्पोर्ट्स फेस्ट 2025 का आयोजन किया गया। जिसमें लॉन टेनिस के पुरुष वर्ग में झारखण्ड के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी रांची के साहिल अमीन ने जमशेदपुर के टेनिस खिलाड़ी ज्यंत कुमार को 6-1 के बड़े अंतर स्कोर से हराकर विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर लिया । इस टूर्नामेंट में साहिल ने सिंगल एंव डबल दोनो कैटेगरी में जीत दर्ज करने का गौरव प्राप्त किया । डबल में अपने जोड़ीदार खिलाड़ी आयुष राज के साथ मिलकर आदित्य कुमार और ज्यंत कुमार की जोड़ी को 6-4 के स्कोर से हराया । साहिल अमीन का यह लगातार तीसरा टेनिस खिताब है । इस से पूर्व साहिल झारखण्ड सुपर स्लैम टेनिस चैम्पियनशिप 2025 का खिताब अपने नाम कर चुके हैं । यह रैकेट स्पोर्ट्स फेस्ट 11 एंव 12 अक्टूबर को जे.आर.डी. टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जमशेदपुर में सम्पन्न हुआ ।

एचएमप्ले स्कूल में आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता सम्पन्न

मेट्रो रेज

रांचीः एचएम प्ले स्कूल, द्वारिकापुरी, चुटिया में आज आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्री नर्सरी से वर्ग तीन तक के बच्चों चंद्रयान, भारतमाता, चिड़िया घर, फूलों का गुलदस्ता, वाल हैंगिंग, झूला, राम मंदिर, ज्वालामुखी, ऑक्टोपस, वाल्टर फिल्टर, तितली, खरगोश, फर्स्ट एड बॉक्स, हारमोनियम व अन्य आर्ट बनाया।

सर्वप्रथम विद्यालय के प्राचार्य अरविंद कुमार द्वारा प्रोजेक्ट के संबंध में विस्तार से बताया गया।

आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता में प्री नर्सरी की मैट्री आर्या- प्रथम शान्वी राज- द्वितीय और आर्यन कुमार तीसरे नंबर पर रहे। नर्सरी में प्रथम- प्रिंस मुंडा और कृषांक शर्मा, द्वितीय- देवांश कुमार और प्रणब खावास और आशी सिंह तीसरे नंबर पर रही।

प्रेप में प्रथम- अर्पित कंडूलना और अनिका कुमारी,द्वितीय- श्रेयांश कुमार और रूद्र कुमार और-तृतीय साराश कुमार और दीप महतो

कक्षा- 1: प्रथम - आयुष प्रजापति,द्वितीय- प्रत्युषी कुमारी ,-तृतीय इवेंजिल एस्थर

कक्षा-2: प्रथम- रूद्र प्रजापति

द्वितीय - रिशु कुमार. राम और निशांत कुमार, तृतीय- प्रेमा कच्छप और विराज कुमार

कक्षा-3: प्रथम- आरव कुमार, द्वितीय श्रेया पंडित।

कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका सुप्रभा टोप्पो, मनीषा टोप्पो, जया मिश्रा, ज्योति कुमारी, शालू प्रिया, काजल चौरसिया , नीलिमा समद, एमलेन कंडुलना के सहयोग से कार्यक्रम सफल हुआ। विजयी छात्रों को विशेष कार्यक्रम कर मेडल, मोमेंटो और सर्टिफिकेट दे कर सम्मानित किया जायेगा।

श्री राधा- कृष्ण मंदिर में दो हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किया अन्नपूर्णा महाप्रसाद ग्रहण

रांचीः श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में 232वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद भंडारा का आयोजन किया गया। आज का श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारा समाजसेवी स्वर्गीय बिष्णु पोद्दार की पुण्य स्मृति में उनकी धर्म पत्नी ललिता पोद्दार उनके पुत्र अमीत पोद्दार पुत्र वधु सोनम पोद्दार एवं उनके परिवार के सौजन्य से आयोजित किया गया। अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12:30 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित दो हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। आज के महाप्रसाद में केसरिया खीर, पुड़ी आलू काबुली चना टमाटर मिश्रित सब्जी, भेजिटेबल पुलाव,चिप्स,सलाद आदि का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी के गाये मनमोहक सुमधुर भजनों मे

ये सुंदर श्रृंगार सुहाना लगता है भक्तों को तो दिल दीवाना लगता है...

श्याम देने वाले हैं हम लेने वाले हैं आज खाली हाथ नहीं जाना है...

किसने सजाया मुरली वाले को बड़ा प्यारा लागे...

अमृत गंगा का रसपान कराते हुए श्रोताओं को खूब झुमाया। तथा श्री राधा कृष्ण के जयकारा से पूरा वातावरण कृष्णमय एवं भक्तिमय बन गया। तत्पश्चात सामूहिक रूप से महाआरती की गई। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि संस्था द्वारा श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर परिसर मे आज अन्नपूर्णा महाप्रसाद एवं भजन संध्या में आज सुबह से ही श्रद्धालुओं का भीड़ लगा रहा। तथा भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर मे 5 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। इस अवसर पर-ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल, शिवभगवान अग्रवाल,मधुसूदन जाजोदिया,मनीष जालान पूरणमल सर्राफ,सुरेश भगत,विष्णु सोनी,पवन पोद्दार, मुरली प्रसाद, हरीश कुमार, परमेश्वर साहू, बसंत वर्मा, सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष उपस्थित थे।

साहित्य अकादमी ने मैथिली की महिला लेखिकाओं के लिए आयोजित किया वेबिनार

मैथिली की महिला लेखिकाओं में लेखन की बढ़ी है चेतना : नचिकेता

मेट्रो रेज

रांचीः साहित्य अकादमी की ओर से वेबलाइन साहित्य शृंखला के तहत मैथिली की महिला रचनाकारों का एक आभासी सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें मैथिली की समकालीन महिला रचनाकारों ने आलेख, कविताओं एवं कहानियों का पाठ किया।

कार्यक्रम की शुरूआत में साहित्य अकादेमी के उप सचिव एन सुरेश बाबु ने सभी रचनाकारों एवं आभासी लिंक से जुड़े साहित्य प्रेमियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मैथिली के कवि-नाटककार, भाषा वैज्ञानिक एवं मैथिली परामर्श मंडल के संयोजक उदय नारायण सिंह नचिकेता ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए कहा कि भले ही हिंदी एवं बांग्ला के मुकाबले हमारी मैथिली में महिला रचनाकारों की संख्या कम है,

लेकिन मैथिली लेखिकाएं एवं कवयित्रियां विभिन्न विधाओं में समकालीन लेखन की विविधताओं को कुशलता पूर्वक दर्ज कर रही हैं। मैथिली की महिला लेखिकाओं में लेखन की चेतना बढ़ी है, जो खुशी की बात है। उन्होंने विभिन्न भाषाओं में लेखन के क्षेत्र में विषय वस्तु एवं शिल्प को लेकर हो रहे बदलावों की चर्चा करते हुए मैथिली रचनाकारों से भावी लेखन में विषय-वस्तु के संदर्भ में बदलाव का आह्वान किया। इसके अलावा अन्य भाषाओं के मुकाबले मैथिली साहित्य की कमियों का भी उल्लेख किया और उम्मीद जताई कि हमारी मैथिली की महिला लेखिकाएं वैश्विक तथा भारतीय चिंता एवं चिंतन के साथ-साथ स्त्रीवाद की चुनौतियों एवं संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।

डॉ. आभा झा ने मैथिली साहित्य मे महिला लेखिकाओं के योगदान पर आलेख का पाठ किया। उन्होंने मैथिली की महिला रचनाकारों के लेखन के विभिन्न आयामों की चर्चा करते हुए मैथिली के स्त्रीवादी लेखन की विशेषताओं की विशद चर्चा की और कहा कि मैथिली में लेखिकाओं की संख्या भले ही कम है, लेकिन गुणवत्ता के मामले में वे अन्य भारतीय भाषाओं की लेखिकाओं से किसी भी तरह कमतर नहीं हैं।

कविता सत्र में सुस्मिता पाठक, निवेदिता झा, शारदा झा, सुनीता झा, कामिनी, नेहा झा, मुन्नी कामत ने अपनी-अपनी कविताओं का पाठ किया। कथा पाठ के सत्र में विभा रानी, मेनका मल्लिक, रोमिशा, दीपा मिश्रा और दीपिका झा ने अपनी-अपनी कहानियों का पाठ किया।

करीब पांच घंटे तक चले इस कार्यक्रम में मैथिली लेखिकाओं ने अपनी रचनाओं के माध्यम से मैथिली साहित्य की विविधताओं एवं विशेषताओं को प्रदर्शित किया।

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

लाडली बहनों का बोझ

राज्य के एक मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि ह्यलाडली बहनह्ल योजना सरकार पर ह्यबोझह्ल बन गई है। विधानसभा चुनाव से पहले, मौजूदा हुक्मरानों ने ह्यलाडली बहनह्ल योजना का खूब ढिंढोरा पीटा था। इससे उन्हें चुनावों में राजनीतिक लाभ भी हुआ। हालांकि, उसी समय चेतावनियां दी गई थीं कि यह योजना राज्य की वित्तीय स्थिति को बिगाड़ देगी और इसे लागू करते समय सरकार की नाक में दम आ जाएगा। वे हु-ब-हू सच साबित हुईं। जब अर्थशास्त्रियों और विपक्ष ने ये चेतावनियां दी थीं, तब सत्ताधारियों ने उन्हें राज्य के समूचे भगिनी वर्ग का दुश्मन ठहरा दिया था, लेकिन इस योजना के लिए धन का प्रावधान अब खुद सत्ताधारियों के लिए सिरदर्द बन गया है। एक ओर लाडली बहनों को १,५०० रुपए प्रति माह सुनिश्चित करने के लिए ४०-४५ हजार करोड़ रुपए का प्रावधान करना पड़ता है और ऐसा करने के लिए अन्य विभागों से धन में कटौती करनी पड़ती है। यह ह्यकवायदह्ल और ह्यसर्कसह्ल सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही चल रहा है। सत्ता में आने के बाद होश में आए हुक्मरानों ने इस योजना की गहन जांच की। नए नए नियमों और मानदंडों का हौवा खड़ा किया गया। नतीजा यह हुआ कि चुनाव से पहले ह्यलाडलीह्ल रहीं कई बहनें सरकार बनने के बाद अयोग्य घोषित कर दी गईं और भी कई तरह के हथकंडे अपनाए गए। फिर भी इस योजना के लिए धन जुटाने की सरकार की सिरदर्दी कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है और उस पर पहले दबी आवाज में शिकायत करनेवाले मंत्री अब सार्वजनिक रूप से शिकायतें करने लगे हैं। वे अब सार्वजनिक रूप से सरकारी खजाने पर दबाव का आरोप लगा रहे हैं। यह शिकायत करनेवाले दत्तात्रेय भरणे और उनके सुर में सुर मिलानेवाले भुजबल, दोनों ही उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजीत पवार के ही गुट से हैं। हालांकि, अजीतदादा ने ह्यहम पूछेंगे और देखेंगेह्ल वाला गोल-मोल बयान दिया है, लेकिन सरकार की पोल खुल गई है। अजीतदादा ने खुद एक बार स्वीकार किया था कि ह्यलाडली बहनह्ल योजना में गलती हुई है, लेकिन चूंकि यह ह्यगलतीह्ल हर महीने करनी पड़ती है इसलिए राज्य और विभिन्न विभागों का वित्तीय गणित गड़बड़ाने लगा है। हालांकि, यह सच है कि ह्यलाडली बहनह्ल योजना राज्य की बहनों के लिए फायदेमंद रही है, लेकिन यह सरकार के लिए गले की हड्डी बन गई है। राजनेता मंडली चाहे जितना भी इनकार करें, सच यही है। यही सच नाराजगी के रूप में मंत्रियों के मुंह से सार्वजनिक रूप से निकलने लगा है और सरकार के मुंह पर वार कर रही है। लाडली बहनों को हर महीने १,५०० रुपए मिलने चाहिए, उसके लिए ४०-४५ हजार करोड़ रुपए अलग से रखे जाने चाहिए और इसलिए उसके लिए कुछ अन्य महकमों के फंड पर वैंष्ठची चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। कभी वे सामाजिक न्याय विभाग के फंड को डायवर्ट करते हैं, कभी वारकरी दिंडी के फंड पर वैंष्ठची चलाते हैं, किसान कर्ज माफी को लेकर हाथ खड़े कर देते हैं और फिर एक रुपए में फसल बीमा योजना ही बंद कर देते हैं, ये सब चालें सत्ताधारी दल कर रहा है। इससे मौजूदा सरकार के दिवालिया प्रशासन का वस्त्र हरण हो रहा है। लाडली बहनों को दी जानेवाली सब्सिडी का जुगाड़ सरकार के लिए माथापच्ची बन गया है और इससे दूसरे विभागों को फंड डायवर्ट करना मंत्रियों के लिए सिरदर्द बन गया है। अजीतदादा के समूह से संबंधित मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने भी सार्वजनिक रूप से इस बारे में बात की है। अजीतदादा भरणे के दर्द के लिए कौन-सी ह्यगोलीह्ल देकर शांत करते हैं यह तो पता चलेगा ही, लेकिन बहनों की ह्यलाडलीह्ल रही यह योजना सरकार के मंत्रियों के लिए गले की हड्डी जरूर बनती जा रही है। उन लोगों के बारे में क्या कहें जो अपनी ही ऐसी स्थिति बना लेते हैं कि पकड़ो तो डस लेते हैं और छूट गए तो भाग जाते हैं, लेकिन इस बात का क्या हल है कि इससे राज्य का वित्तीय अनुशासन प्रभावित हो रहा है?

अब किसे इस्तीफा देना चाहिए

जम्मू और कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वीकारा कि पहलगाम हमला सरकार की सुरक्षा व्यवस्था में एक चूक थी। पहलगाम हमले को तीन महीने हो चुके हैं। आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर किए गए हमले में २६ लोगों ने जान गंवाई। आतंकवादियों ने महिला पर्यटकों पर गोली नहीं चलाई थी। उन्होंने पुरुषों को मारा। उन्होंने धर्म पूछकर मार डाला। कुरान की आयतें सुनाने को कहा। जो नहीं सुना पाए उन्हें गोली मार दी गई, यह कहानी बाद में भाजपा भक्तों द्वारा फैलाई गई। पहलगाम हमले के निमित्त हिंदुओं और मुसलमानों के बीच तनाव बढ़ाने की कोशिश की गई, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। पहलगाम हमले के बाद स्थानीय लोगों ने वहां सभी पर्यटकों और घायलों की मदद करने में उदारता दिखाई। उन्होंने हर तरह की मदद की। खुद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आंसुओं का सैलाब फूट पड़ा, लेकिन इतना भयंकर यह सब कैसे हुआ? सरकार अब तक इस पर मुंह सिले बैठी थी। जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सिन्हा ने अब हमले के पीछे की सच्चाई उजागर की है, जो यह है कि सरकार की ओर से पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था नजरअंदाज हुई। सुरक्षा व्यवस्था में खामियों की वजह से ही आतंकवादी पर्यटनस्थल तक पहुंच पाए और हमला हुआ। राज्यपाल का यह सच चौंकानेवाला है और देश के गृह मंत्रालय की इज्जत चौराहे पर टंग गई। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा छीन लिया इसलिए जम्मू-कश्मीर अब एक केंद्रशासित प्रदेश है जिसकी वजह से इस बेहद संवेदनशील राज्य की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी केंद्र सरकार ही, यानी गृह मंत्रालय पर है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी सर्वाधिकार राज्यपाल मनोज सिन्हा को दिया गया था। राज्यपाल के जरिए ही गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर राज्य का शासन चलाते हैं इसलिए पहलगाम में हुए हमले और २६ निर्दोष हत्याओं की जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह पर ही है। राज्यपाल सिन्हा ने भी यही कहा। गृह मंत्री शाह इस नरसंहार के लिए जिम्मेदार हैं ही, लेकिन इससे भी गंभीर बात यह है कि गृह मंत्रालय अभी तक हत्या करनेवाले ह्यआरोपियोंह्ल को पकड़ नहीं पाया है। २६ लोगों की हत्या करनेवाले हत्यारे अभी भी ह्यफरारह्ल हैं। इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? गृह मंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा को अब एक मिनट भी अपने पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। वे २६ लोगों की हत्या के जिम्मेदार तो हैं ही, और वे हत्या के आरोपियों को भी नहीं पकड़ पाए हैं। इस महान बहादुरी के लिए क्या शाह और सिन्हा की पूजा की जानी चाहिए? या उन्हें वीरता पदक से सम्मानित किया जाना चाहिए? चूंकि राज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वयं स्पष्ट किया है कि पहलगाम हमला एक सुरक्षा चूक थी इसलिए शासकों को प्रायश्चित करना ही होगा और खुले तौर पर गृह मंत्री का इस्तीफा मांगना होगा। यह पूरा मामला गैर इरादतन हत्या का ही मामला है। ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर राजनीति करनेवालों को इस पर ध्यान देना चाहिए। नरेंद्र मोदी और अमित शाह व्यापारिक मानसिकता वाले लापरवाह राजनेता हैं। यह लापरवाही मणिपुर से लेकर कश्मीर तक हर रोज दिखाई देती है। पहलगाम में भी सुरक्षा को लेकर वैसी ही लापरवाही देखने को मिली जैसी २०१९ में पुलवामा हमले में ४० भारतीय जवानों के शहीद होने पर दिखी थी। १४ फरवरी २०१९ को पुलवामा में हुए आत्मघाती हमले में जवान शहीद हुए थे।

हलधर नाग और संबलपुरी समाज

पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाली इस अजीम शख्सियत का नाम है–हलधर नाग। वर्ष 2016 में भारत सरकार के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' से विभूषित हलधर नाग का निर्विकार भाव, शांत समुद्र और गंभीर श्रोता की तरह सबको सुनना और सारे आयोजनों में सामान्य जन की तरह सहभागिता, इस सेमिनार का सबसे विशेष पक्ष थी।

गौरव अवस्थी

कवि या साहित्यकार को सुनकर वाह-वाह और तालियां बजाते तो हम सब सुनते ही हैं। यह अब व्यापार सा बन चुका है या मार्केटिंग का खेल। असली सम्मान वह है जब मंत्री से लेकर संत्री तक बोलें और सामने की पंक्ति में श्रोता के रूप में साहित्यकार सुने। अपने जीवन पर। अपने काम पर। अपने साहित्य पर। अपनी कविता पर। ऐसा हमने पिछले दिनों बरगढ़ (ओड़िशा) में दो दिवसीय नेशनल सेमिनार में प्रत्यक्ष देखा-सुना। मंत्री के उद्बोधन में। संस्था के संबोधन में। विद्वानों के व्याख्यान में। चित्र में। चरित्र में। नृत्य में। नाटक में। गायन में।2 दिन। 20 घंटे। 5 सत्र। 25 वक्ता। 5 संचालक। 11 साँस्कृतिक कार्यक्रम। सेमिनार के शुभारंभ पर कविजी की कविता- ' ई माटीर पानी पवनरे..' गीत के सस्वर गायन को सुनना अद्भुत था। अछूत शबरी पर केंद्रित 'अछिया' काव्य पर आदिवासी बच्चियों की भावपूर्ण प्रस्तुति हो या कविजी के जीवन पर आधारित लघु नाटिका। सब दिल जीत। क्षेत्र के संगीता के मानते हैं, कोसली में लिखी उनकी कविताएं राग के मानकों पर भी फिट हैं। कविताओं की रागमयी प्रस्तुति को 'हलधर संगीत' ही कहा जाता है।सभागार के प्रवेश द्वार पर दोनों तरफ चार दर्जन से अधिक विभिन्न मुद्राओं वाले हाथ से बने स्कैच या फोटो देखना एक अलग 'लोक' का अनुभव जैसा था। ऐसा हमने 2 साल पहले सिर्फ 'प्रभाष प्रसंग' में देश के श्रेष्ठ पत्रकार-संपादक प्रभाष जोशी के संबंध में चित्तौड़ में ही देखा था। सब-के-सब उस साहित्यकार को समर्पित, जिसे दुनिया 'लोक कविरत्न' के रूप में जानती-मानती-पहचानती है। पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाली इस अजीम शख्सियत का नाम है-हलधर नाग। वर्ष 2016 में भारत सरकार के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' से विभूषित हलधर नाग का निर्विकार भाव, शांत समुद्र और गंभीर श्रोता की तरह सबको सुनना और सारे आयोजनों में सामान्य जन की तरह सहभागिता, इस सेमिनार का सबसे विशेष पक्ष थी। एक दृश्य देख लीजिए-' 28 जून को सुबह 10 बजे सेमिनार का शुभारंभ था। रात से शुरू हुई वर्षा आयोजन प्रारंभ होने के एक घंटे पहले तक जारी थी। इस बारिश के बीच ही नंगे पैर धोती-बनियान पहने और अपनी कुछ पुस्तकों का झोला खुद हाथ में थामे हलधर नाग दिखाई देते हैं। चेहरे पर किसी से कोई सम्मान की चाहत न चरित्र में, लेकिन संस्थान के संत्री हो या अन्य मौजूद सामाजिक कार्यकर्ता-साहित्यकार, सब पैर छूकर आशीर्वाद लेने को लालायित। मैं खुद भी उसमें शामिल हो गया। क्यों? के जवाब में बस इतना कह सकता हूं, यह पदक की चमक पर नहीं, सादगी के सम्मान में।

यह होता है लोककवि का लालित्य। जहां हर कोई स्वयं ही श्रद्धावनत हो। हर कोई उनसे मिलने-बतियाने और सेल्फी लेने को बेताब! 'लोक' की बात करने या लिखने भर से कोई लोककवि नहीं होता। इसके लिए लोक से जुड़ना भी होता है। हलधर नाग लोक की बात जितना लिखते हैं, उससे ज्यादा लोक में विचरते हैं। लोक से जुड़ते हैं। लोक के साथ चलते हैं। अपनी लोक कविताओं से तो हलधर नाग कोसल प्रदेश में लोकप्रिय हैं ही। बाहरी दुनिया से हलधर नाग को परिचित कराने वाले अभिमन्यु साहित्य संसद के संस्थापक अशोक कुमार पूजाहारी का कम योगदान नहीं। हिंदी समाज में उनके साहित्य को विस्तार देने में अनुवादक दिनेश कुमार माली की महती भूमिका है। इस आयोजन की सूत्रधार भी उन्हीं की संस्था 'अभिमन्यु साहित्य संसद' थी। सहयोगी भूमिका में कृष्णा विकास संस्थान। 31 मार्च 1950 को बरगढ़ के ऐतिहासिक घेंस गांव में जन्मे हलधर नाग का लोक साहित्य दुनिया के तमाम देशों में शोध का विषय है। आर्थिक अभावों से स्कूली शिक्षा से वंचित रहने वाले पद्मश्री हलधर नाग संबलपुर की अधिष्ठात्री देवी माँ समलेई, भगवान राम और श्रीकृष्ण के अतिरिक्त रामकथा में उपेक्षित मिथकीय पात्र महासती उर्मिला एवं अछूत शबरी पर 'अछिया' नामक महाकाव्य लिखकर अपने जीवित रहते ही अमर हो चुके हैं। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त को उपेक्षित उर्मिला पर साकेत महाकाव्य लिखने की प्रेरणा दी, उन्हीं पर हलधर नाग ने स्वप्रेरणा से 'महासती उर्मिला' महाकाव्य का प्रणयन किया।

प्रकृति से सीधा तादातम्य रखने वाले हलधर नाग की पहली कविता है-' ढाड़ो बरगाछ'। हिंदी में इसे कहा जाएगा - 'बूढ़ा बरगद'। बरगद का यह पेड़ आज भी उनके संग्रहालय के सामने है। रात ही सही, कविता के बहाने चर्चा में आ चुके इस विशाल बरगद के नीचे कुछ देर सांस लेने का मौका इन पंक्तियों के लेखक को भी मयस्सर हुआ। 1990 में लेखन की दुनिया में कदम रखने वाले हलधर नाग अब तक दो दर्जन से अधिक काव्य, महाकाव्य, खंडकाव्य रच चुके हैं। 25-30 व्याखान भी कम से कम हमें हलधर नाग का साहित्य संसार समेट पाने में समर्थ प्रतीत नहीं हुए। बाकी का भगवान जानें। लोक कविरत्न कालीभक्त हैं। उन्होंने अपने संग्रहालय के सामने काली माँ का छोटा सा मंदिर भी निर्मित कराया है। कहते हैं, विशेष वाद्य यंत्र बजाकर भक्ति में डूबने के बाद मां समलेई कविजी को कान में कुछ फुसफुसाती हैं और उनके अंतस से सरस्वती की सहस्त्रधारा स्फुटित होने लगती है। उनके कार्यस्थल पर बने छोटे-से संग्रहालय की दीवारों पर सजे सैकडों उपहार, सम्मान एवं प्रमाणपत्र 'लोक सम्मान' की प्रत्यक्ष गवाही देते हैं। संग्रहालय में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी स्मृति न्यास-रायबरेली द्वारा वर्ष 2022 में प्रदान किया गया 'डॉ राम मनोहर त्रिपाठी लोक सेवा सम्मानपत्र' भी सुशोभित है। इसे देखना अपने में एक नए अनुभव से गुजरना है। इसी संग्रहालय के एक किनारे छोटे से स्थान पर कविजी का एक तखत बिछा है। इसी पर गृहस्थ हलधर नाग की रातें बीतती-कटती हैं। हलधर नाग का नंगे पैर रहने के पीछे तर्क है-'माँ की गोद में चप्पल पहनकर कौन बैठता है? मां के सीधे स्पर्श से ऊर्जा और शक्ति प्राप्त होती है'। हलधर नाग केवल इसलिए बड़े नहीं है कि उन्हें 'पद्मश्री' प्राप्त है। इससे बड़ी है, उनकी सरलता-सहजता। उनके व्यक्तित्व का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि वह ओडिशा-छत्तीसगढ़ की सीमा पर आदिवासी बच्चों के लिए

ज्ञान से मित्रता

नाम पदार्थ नहीं है। वह वस्तु या पदार्थ का भाषिक प्रतिनिधि है। नाम और रूप मिलाकर ज्ञान बनते हैं। इसके सामाजिक बोध और ज्ञान को साझी बनाने के लिए भाषा चाहिए। भाषा सुबोध चाहिए। सुसंस्कृत भी चाहिए। ऋषि कहते हैं, ह्लसूप से सत्तू स्वच्छ करने की तरह मेधावी जन भाषा गढ़ते हैं और मित्रगण आत्मीय भाव से समझ लेते हैं।

हृदयनारायण दीक्षित

ज्ञान से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं। गीता की घोषणा है-नहि ज्ञानेन पवित्रमिह विद्यते। ऋग्वेद में ह्यज्ञानह्ल विषयक एक सूक्त (ऋ0 10.71) है। ह्यज्ञान यहां एक देवता हैं। ऋग्वेद के देवता अभिभूत करते हैं। यहां पशु-पक्षी भी देवता हैं। कृषि भी देवता है। साहस (मन्यु) भी देवता हैं। श्रद्धा और हाथ भी देवता है। जहां-जहां दिव्यता वहां-वहां देवता। वस्तुओं मनोभावों को देवता मानने की वैदिक शैली अनूठी है। यही परम्परा ट्रक चालक भी निभाते हैं। वह गाड़ी पर बैठते ही स्टीयरिंग को प्रणाम करता है, सिर झुकाता है चल देता है। लोग ऐसे कृत्यों पर हंसते हैं। हंसना जायज है। स्टियरिंग को प्रणाम करने का कोई तुक नहीं। लेकिन ऋग्वेद में नमस्कार भी देवता हैं। मूर्ति, स्टीयरिंग, किताब, पेड़ या नदी को किए गए नमस्कार का सीधा सम्बंध हमारी अंतश्चेतना से है। मूर्ति या स्टीयरिंग नमस्कार के भूखे नहीं है। वे इसका जवाब भी नहीं देते। लेकिन नमस्कार से हमारे मन और काया में रासायनिक परिवर्तन होते हैं। नमस्कार अंतःकरण को प्रीतिभाव से भरता है। सृष्टि के प्रारम्भ में कोई एक आदि तत्व या मूलभूत द्रव्य रहा होगा। उसी से भिन्न भिन्न पदार्थो का विकास हुआ। परम तत्व एक से अनेक रूपों में हो गया। ऋषि बताते हैं ह्लअग्रं यत्प्रैरत नामधेयं दधानाः-प्रारम्भिक स्थिति में विभिन्न पदार्थो का नामकरण ही ज्ञान का प्रथम सोपान बना। इनका शुद्ध ज्ञान अनुभूति में होता है और वह अंतः प्रेरणा से प्रकट होता है।ह्व (ऋ0 10.71.1) रूप देखकर नाम रखना, रूप के साथ नाम मिलाकर जानना ज्ञान की शुरूवात है। रूपों के भीतर छुपे गुण-धर्म का ज्ञान अनुभव से ही आता है। यहां अनुभव पर जोर है। जलती अग्नि या बहती हुई नदी दिखाई पड़ीं यह रूप था। नाम रखा गया अग्नि या नदी। रूप के साथ नाम याद रखना ज्ञान की प्रथम सीढ़ी है। नाम पदार्थ नहीं है। वह वस्तु या पदार्थ का भाषिक प्रतिनिधि है। नाम और रूप मिलाकर ज्ञान बनते हैं। इसके सामाजिक बोध और ज्ञान को साझी बनाने के लिए भाषा चाहिए। भाषा सुबोध चाहिए। सुसंस्कृत भी चाहिए। ऋषि कहते हैं, ह्लसूप से सत्तू स्वच्छ करने की तरह मेधावी जन भाषा गढ़ते हैं और मित्रगण आत्मीय भाव से समझ लेते हैं। ऐसे सफल विद्वान की वाणी में लक्ष्मी का निवास होता हैह्व (वही, मन्त्र 2) भाषा ज्ञानी की वाणी में सरस्वती नहीं लक्ष्मी के निवास का रूपक है। वाणी स्वयं देवी है। वह स्वयं सरस्वती है। भाषा का ज्ञान अतिरिक्त समृद्धि है। इसलिए यहां लक्ष्मी का रूपक है। आगे कहते हैं ह्लज्ञानियों ने तत्वज्ञानियों के अंतःकरण में प्रविष्ट भाषा को प्राप्त किया। उसे प्रसारित किया।ह्व (वही, मन्त्र-3) ज्ञानी को तत्वज्ञानियों से भाषा संस्कार मिले। तब उनका प्रसार हुआ।माना जाता है कि जो प्रत्यक्ष है, वह सत्य है, वही ज्ञान है। ऋषि सतर्क करते हैं ह्लअनेक लोग देखकर भी ज्ञान नहीं पाते। अनेक लोग सुनकर भी ज्ञान नहीं पाते। लेकिन सुपात्र के सामने वाणी स्वयं ही अपना सत्य रूप प्रकट कर देती है।ह्व (वही, मन्त्र 4) पढ़कर लिख देना एक शैली है। लोग ऐसे लेखकों को विद्वान कहते हैं। सुना-सुनाया दोहरा देने वाले भी ज्ञानी जैसी प्रतिष्ठा पाते हैं लेकिन ऋषि कहते हैं, ह्लशाब्दिक भावों को ग्रहण करने और उन्हें दोबारा प्रकट करने वाले प्रशंसा पाते है परन्तु उनमें से भी बहुत ऐसे हैं जो भाषा का फल (अर्थ) और फूल (अभिप्राय) नहीं जानते, ऐसे लोग दूध रहित गाय दुहते हैं। वाणी के जरिए प्रपंच करते हैं।ह्व (वही मन्त्र 5) खास बात है अनुभव। अनुभूति ही ज्ञान को वास्तविक बताती है। ऋषि ज्ञान से मित्रता; को जरूरी बताते है ह्लजो सत्य ज्ञान की धारा से मित्रता त्याग देते हैं यस्ति त्याज सचिविदं सखायं-ज्ञान से सखा भाव नहीं रखते, उन्हें दिव्यवाणी (ज्ञान) में अपना हिस्सा नहीं मिलता।ह्व (वही-मन्त्र 6)

ऋग्वेद में एक समान ज्ञानी, एक समान श्रोत्रशक्ति सम्पन्न मेधावी भी एक समान नहीं बताये गये। कहते हैं ह्लदर्शन शक्ति सम्पन्न, श्रोत्रशक्ति सम्पन्न, एक समान ज्ञान से युक्त मित्र भी अनुभव जन्य ज्ञान में एक समान नहीं होते।ह्व (वही मन्त्र 7) साथ साथ रहने वाले, आपस में मित्र, एक ही विषय में एक जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त विद्वान भी अनुभव भिन्नता के कारण एक समान नहीं हो सकते। सत्यबोध ही ज्ञान है। हम सबका इन्द्रिय बोध एक ही पदार्थ के रूप को भिन्न-भिन्न रूप में ग्रहण करता है। सत्य सदा सत्य है। सत्य त्रिकाल अबाधित होता है। भूत, भविष्य और वर्तमान उस पर प्रभाव नहीं डालते। अस्तित्व सत्य है। व्यक्त भी सत्य है पर समूचा व्यक्त भिन्न-भिन्न रूपों में विभाजित जान पड़ता है। रूप प्रत्यक्ष हैं, सत्य हैं। परिवर्तनशीलता भी सत्य है। रूप का अंतस्-अव्यक्त सत्य है। अव्यक्त अरूप सदा एक है।

भाषा की शक्ति बड़ी है लेकिन असीम और अनंत नहीं हैं। वस्तु, व्यक्ति या रूप का नाम लेना आसान है लेकिन चित्त में उभरने वाले भावों का वर्णन दुष्कर। परम चेतना विराट है। असीम है। परम चेतन की व्याख्या नहीं हो पाती। भाषा और शब्दों की सीमा है। तब उसकी चर्चा हो कैसे? वैदिक काव्य में परस्पर विरोधी गुणों को जोड़कर विराट को समझाने का रम्य प्रयास है। उसे भाषा में समझाया नहीं जा सकता। वह अनुभूति अनिर्वचनीय है, अव्याख्येय है। उसकी व्याख्या असंभव है। पुराणों में उसे अव्याख्येय बताते हुए बड़े दिलचस्प प्रतीक गढ़े गये कि समुद्र को स्याही और हिमालय को कलम बनाकर भी उसका वर्णन नहीं हो सकता। बड़े से बड़े द्रष्टा, कवि और देवता, आदि भी उसके सामर्थ्य का वर्णन नहीं कर सकते। लेकिन ऋषियों ने उसे अनुभूति में जाना था। वे गद्गद् थे। परम उल्लास में थे। उल्लास से ही मंत्र काव्य फूटे, लेकिन विराट का वर्णन असंभव था।

विराट को समझना बड़ा कठिन है। प्रगाढ़ अनुभूति में उसका बोध हो भी जाए तो बोध को बताना और भी कठिन। पुराणों में गूंगे के स्वाद का प्रतीक इस्तेमाल हुआ है। स्वाद की मधुमयता का बखान गूंगा करे तो कैसे करे? अस्तित्व की अनुभूति का बखान और भी असंभव है। तुलसीदास ने गाया है ह्लएक दारूगत देखिय एकू/पावक सम जुग ब्रह्म विवेकू-एक अग्नि प्रत्यक्ष है, वही अग्नि गुप्त है, ब्रह्म भी ऐसा ही है, जो प्रत्यक्ष है वह ब्रह्म, जो अप्रत्यक्ष है वह भी ब्रह्म। व्यक्त प्रत्यक्ष हैं, अव्यक्त में वे एक है। ऋग्वेद (10.5.7) में कहते हैं, ह्लअसच्च सच्च परमें व्योमन-परम व्योम में सत असत दोनों हैं।ह्व सच्च/असच्च हमारी आंखे देखती हैं। इसे समझाने के लिए दो शब्दों का प्रयोग हुआ। असल बात परम व्योम है। मंत्रों के लिए कहते है ह्लऋचा अक्षर परम व्योमन-ऋचाएं/मंत्र परम व्योम में रहते है।ह्व अव्यक्त परब्रह्म जब व्यक्त प्रकट बनता है तब सत असत। सृष्टि का व्यक्त भाग ही इकाई में व्यक्ति है और भाषा में अभिव्यक्ति है। संसार में व्यक्त है अनंत में अव्यक्त और व्यक्त है।

ब्रह्म सम्पूर्णता का पर्यायवाची है। यह वेदांत दर्शन का प्रिय विषय है। ऋग्वेद में प्रकृति की तमाम शक्तियों को विभिन्न देवनाम दिए गये हैं। लेकिन मूल सत्य एकं सद् है। उपनिषदों में ऋग्वेद की एकंसद (एक ही सत्य) अनुभूति का विकास है। ऋग्वेद में उसे इन्द्र अग्नि और वरूण अदिति जैसे नाम दिए गये। उपनिषदों में उसे ब्रह्म, सच्चिदानंद, प्राण और ईश्वर जैसे अशरीरी/आधिभौतिक नामों से जाना गया। लेकिन नाम से क्या होता है? नाम रूप के साथ ज्ञान से मित्रता जरूरी है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

ऊँ' लगाने से बढ़ जाती है मंत्र की शक्ति,

जब भी पूजा-पाठ के समय किसी भी मंत्र का जाप किया जाता है, तो इसकी शुरूआत 'ऊँ' से की जाती है। योग और ध्यान की विधि में भी 'ऊँ' का उच्चारण किया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह एक शब्द क्या है। इसका इतना महत्व क्यों है और मंत्र की शुरूआत में 'ऊँ' लगाने से क्या लाभ मिलता है। अगर आपके मन में इसी तरह के सवाल हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 'ऊँ' के महत्व के बारे में बताने जा रहे हैं। 'ऊँ' शब्द तीन अक्षर अ, उ और म से मिलकर बना है। यह तीन अक्षर त्रिदेव यानी की ब्रह्मा, विष्णु और महेश को दशार्ते हैं। इसके अलावा यह तीन अक्षर रजो गुण, सतो गुण और तमो गुण का भी प्रतिनिधित्व करते हैं। अ, उ और म यह तीन अक्षर सत, चित और आनंद है। साथ ही यह ब्रह्मांड की सबसे पहली ध्वनि और सृष्टि के उद्भव का प्रतीक होता है। इसका जाप करने से निगेटिव एनर्जी दूर होती है और हिंदू धर्म के अलावा बौद्ध व सिख धर्म में भी इसके महत्व को स्वीकार किया गया है।

किसी भी मंत्र के आगे 'ऊँ' जुड़ने से मंत्र शक्तिशाली और शुद्ध हो जाता है। इसको बीज मंत्र भी कहा जाता है। साथ ही यह मंत्र जाप करने के समय किसी भी त्रुटि या दोष को दूर करने में सहायता करता है। इसके साथ ही यह एकाग्रता और ध्यान को बढ़ाने में भी मदद करता है। ऊँ का उच्चारण करने से मानसिक तनाव में कमी आती है।

कहां करना चाहिए उच्चारण

शांत वातावरण में ध्यान मुद्रा में बैठकर 'ऊँ' का जाप करना सही माना जाता है। इससे मानसिक शांति मिलती है और व्यक्ति का ध्यान भी केंद्रित होता है। इस दौरान गहरी सांस लें और धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए ओ से ऊ तक जोर लगाएं। फिर म का उच्चारण करने में ध्वनि धीमी और शांत होती जाएगी। सांसों और आवाज का उतार-चढ़ाव ही मन, आत्मा और बुद्धि को शांति देता है। वेदों की ऋचाएं और श्रुतियां भी इसके बिना अधूरी मानी जाती हैं। किसी भी मंत्र से पहले 'ऊँ' लगा देने से उसके फलित होने की शक्ति कई गुना तक बढ़ जाती है।

उच्चारण के लिए सही समय

बता दें कि 'ऊँ' का उच्चारण करने के लिए सही समय ब्रह्म मुहूर्त होता है। इस समय ब्रह्मांड की ऊर्जा के साथ आप जल्दी जुड़ जाते हैं, लेकिन अगर आप ऐसा नहीं कर सकते हैं, तो सूर्योदय से पहले उठकर इसका उच्चारण करें। आप इसको दिन के किसी भी समय कर सकते हैं।

हालांकि दिन निकलने के साथ शोरगुल और मन में कई तरह की चिंताएं और तनाव हो सकता है। ऐसे में आप इस दौरान गहरे ध्यान में नहीं उतर सकें। रात में शांति होने के बाद भी आप 'ऊँ' का उच्चारण कर सकते हैं।

सेहत

नमक ही नहीं शरीर में पोटैशियम की कमी भी हो सकती है हाई बीपी की वजह

जैसे ही लोग 40 की उम्र पार करते हैं, वैसे ही अधिकतर लोग अपनी थाली से नमक कम कर देते हैं। साथ ही अचार, पापड़ और चिप्स जैसी चीजों से दूरी बना लेते हैं। लेकिन इसके बाद भी उनका ब्लड प्रेशर कंट्रोल नहीं होता है। क्योंकि हमारी थाली में सिर्फ नमक ज्यादा नहीं है, बल्कि पोटैशियम बहुत कम है। इस कारण ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने की जो कहानी है, वह अधूरी रह जाती है। हालांकि इसको करना मुश्किल नहीं है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि पोटैशियम की सही डोज क्या है और इसको किस तरह से डाइट में शामिल करना चाहिए।पोटैशियम न सिर्फ एक्स्ट्रा नमक को यूरिन के रास्ते बाहर निकालता है। लेकिन यह आर्टरी की मांसपेशियों को भी शांत करता है। रिसर्च के मुताबिक अगर डेली पोटैशियम 3.5 ग्राम से ज्यादा हो जाए, तो सिस्टोलिक बीपी में 4-6`ल्ट तक की गिरावट आ सकती है। यह उतना ही होता है, जितना शुरूआती बीपी दवाओं से होता है। रोजाना सुबह 200' नारियल पानी या फिर 1 केला का सेवन करें। इन दोनों में ही 400 पोटैशियम होता है। नाश्ते में आप अंकुरित मूंग चाट खा सकते हैं। इसमें करीब 650` पोटैशियम और सिर्फ 400` सोडियम होता है। वहीं दोपहर के खाने में आप ऐसी सब्जियों को शामिल करें, जोकि पोटैशियम से भरपूर हों। शाम को स्नैक्स में आप चिप्स, पापड़ या भुजिया की जगह एक मुट्ठी बिना नमक वाली मूंगफली या उबले चने खा सकते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

जिले में तीन दिवसीय उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर बच्चों को पीलाएं पोलियो की खुराक : सिविल सर्जन

- 264486 बच्चों को पोलियो की खुराक देना लक्ष्य
- प्रथम दिन 1354 बूथों पर 90.10 प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई

एजेंसी

साहिबगंज: जिले में तीन दिवसीय उप-राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत जिले के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 264486 बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए प्रथम दिन जिलेभर में 1354 पोलियो बूथों की स्थापना की गई है।यह तीन दिवसीय अभियान आज से 14 अक्टूबर 2025 तक चलेगा।पहले दिन 12 अक्टूबर 90.10 प्रतिशत बच्चों को स्थानीय पोलियो बूथों पर दवा दी गई ।अगले दो दिनों 13-14 अक्टूबर स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर शेष बच्चों को पोलियो की खुराक देंगे।तीन दिवसीय इस अभियान का विधिवत उद्घाटन सिविल सर्जन रामदेव पासवान द्वारा किया गया। वे मंडरो प्रखंड के करमपहाड़ में बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत किए।इस अवसर पर उन्होंने जिले भर के सभी अभिभावकों से अपील की है। कि वे अपने 0-5 वर्ष के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलवाएं। साथ ही समाज के सभी वर्गों से सहयोग की अपेक्षा जताई गई है। ताकि यह अभियान पूर्ण रूप से सफल हो सके और पोलियो उन्मूलन की दिशा में जिला एक सशक्त कदम आगे बढ़ा सके।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं त्योहार: सीओ

-मुफस्सिल थाना में शांति समिति की बैठक

संवाददाता

साहिबगंज: काली पूजा व छठ पूजा का पर्व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मन सके इसको लेकर मुफस्सिल थाना में शांति समिति की बैठकआयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता सदर सीओ बासुकीनाथ टुडू ने किया किया। इसी दौरान थाना प्रभारी अनिश पांडेय ने कहां की सभी क्षेत्रवासी एक दूसरे का सहयोग कर दीपावली, काली पूजा, छठ पूजा का पर्व शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं ।काली पूजा पर्व में विधि व्यवस्था को कायम रखने के लिए क्षेत्रवासियों का भरपूर सहयोग बेहद जरूरी है।उन्होंने काली पूजा समिति के सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि जिन समितियां को लाइसेंस लेना है वह जल्द से जल्द कागजी कार्रवाई पूरी करते हुए थाना में आवेदन जमा करेंगे।साथ ही उन्होंने कहा कि हर हाल में पूजा समितियां को अपने निर्धारित दिन पर विसर्जन शांतिपूर्ण तरीके से करना है । मौके में पुलिस पदाधिकारी के साथ शांति समिति के सदस्य व बुद्धिजीवी वर्ग के लोग शामिल थे।

सम्मान समारोह का आयोजन

- सांस्कृतिक कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को किया गया सम्मानित

संवाददाता

साहिबगंज:लोकहित संस्था की ओर से आज साहिबगंज कॉलेज स्थित नंदन भवन में गांधी जयंती के शुभ अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व क्विज प्रतियोगिता ओर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।जिसमें साहिबगंज आरपीएफ की दो महिला पुलिस को बेहतर कार्य करने के लिए ओर वरिष्ठ पत्रकार सुरेश निर्मल को गंगा मिशन की ओर से हजारों पेड़ पौधा बांटने व पर्यावरण को हरा भरा रखने में बेहतर कार्य के लिए संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम के मंच में मुख्य अतिथि सहित अन्य ने अंग वस्त्र व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।वही क्विज व सांस्कृतिक कार्यक्रम में बेहतर प्रदर्शन करने वाले को आकर्षक प्राइज देकर सम्मानित किया गया।

विश्व दृष्टि दिवस पर निकाली गयी जागरूकता रैली

संवाददाता

देवघर: जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निदेर्शानुसार 26वां विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर रविवार को सिविल सर्जन कार्यालय परिसर से नेत्र स्वास्थ्य जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को सिविल सर्जन डॉ. जुगल किशोर चौधरी एवं अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (एसीएमओ) डॉ. बीपी. सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जागरूकता रैली का उद्देश्य लोगों को आंखों की सुरक्षा, समय पर नेत्र जांच और अंधत्व रोकथाम के प्रति जागरूक करना था। इसके अलावा रैली में शामिल प्रतिभागियों ने आंख है अनमोल, करें समय पर नेत्र जांच, साफ-सफाई अपनाएं, आंखों को सुरक्षित बनाएं, अंधत्व रोका जा सकता है जैसे नारे लगाकर लोगों को नेत्र स्वास्थ्य का संदेश दिया। रैली सिविल सर्जन कार्यालय से निकलकर मुख्य बाजार, अस्पताल रोड होते हुए वापस अस्पताल परिसर में समाप्त हुई। इस दौरान स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा राहगीरों के बीच पर्चे भी वितरित किए गए। सिविल सर्जन डॉ. जुगल किशोर चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आंखें शरीर का सबसे संवेदनशील अंग हैं, इसलिए इनकी नियमित जांच कराना आवश्यक है। मोतियाबिंद, ग्लूकोमा जैसी समस्याएं समय पर उपचार से पूरी तरह ठीक की जा सकती हैं। वहीं अउटड डॉ. बी.पी. सिंह ने बताया कि जिले में नेत्र रोगियों की पहचान कर उनका निःशुल्क उपचार किया जा रहा है। इसके लिए विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेष नेत्र शिविर भी लगाए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में डीपीएम नीरज भगत, डीपीसी प्रवीण सिंह, दिव्य ज्योति, राजेश राय, शंकर दयाल सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं प्रशिक्षु एएनएम बड़ी संख्या में मौजूद रहीं। सभी ने नियमित नेत्र जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

6 साल की बच्ची की गंगा में डूबने से मौत

साहिबगंज : गंगा नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत गोपालपुर गदाई दियारा पीहर टोला सकरीगली निवासी मिथुन कुमार की पुत्री रानी कुमारी 6 की मौत गंगा में डूबने से मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार बीते शनिवार की दोपहर रानी कुमारी पड़ोस के रहने वाली अपने अपने कुछ दोस्तों के साथ गंगा नहाने गई और नहाने के दौरान पैर फिसल जाने से गहरे पानी मे चले जाने से डूब गई। हो हल्ला होने पर परिजनों खोजबीन करना शुरू कर दिया वही गंगा नदी थाना प्रभारी लव कुमार को सूचना मिलने पर घटना स्थल पहुंच शव को खोजने में मदद करने लगा रविवार की सुबह लगभग 11:30 बजे स्थानीय गोताखोर की मदद से बच्ची को गंगा से निकाला गया। गंगा नदी थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जहां ड्यूटी पर रहे डॉक्टर केशव कृष्णा के द्वारा शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंपा दिया। मृतक का एक भाई पवन कुमार 10 एवं दो बहन सोनम 7 आंचल 2 है। मृतक के पिता मिथुन कुमार खेती बाड़ी का काम कर के अपने परिवार का भरन पोषण करता है। वही परिजनों का रो - रोकर बुरा हाल है।

झारखंड विस अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक व पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति की आयोजित बैठक संपन्न

संवाददाता

देवघर: स्थानीय परिसदन के सभागार में रविवार को झारखंड विधानसभा अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें समिति के सदस्य सुरेश कुमार बैठा एवं लुईस मरांडी की उपस्थिति में बैठक हुई।

इसके अलावा बैठक में सरकार की सभी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों को न्याय और विकास से जोड़ने के लिए समुचित कार्रवाई करें। आगे कार्यों में तेजी लाने तथा योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त

वन, नगर निगम, आपूर्ति, झारखण्ड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, समाज कल्याण, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, उद्योग केन्द्र, उत्पाद, खनन, भूमि-संरक्षण, कृषि, उद्यान, पशुपालन, सहकारिता, कौशल विकास, खेल, पर्यटन, श्रम, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, पथ प्रमण्डल, भवन प्रमण्डल, लघु सिंचाई, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, नगर परिषद सहित अन्य विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। आगे संबंधित विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति, लाभुकों को होने वाले प्रत्यक्ष लाभ, एवं कार्यान्वयन से जुड़ी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही समिति ने योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने और पात्र लाभुकों तक योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिया गया।

बैठक में उपविकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, वन प्रमंडल पदाधिकारी, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला प्रबंधक, जिला योजना पदाधिकारी, जिला कोषागार पदाधिकारी, जिला भविष्य निधि पदाधिकारी, जिला लेखा पदाधिकारी, जिला अवर निबंधक, जिला पशुपालन पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, सहायक निबंधक, सहयोग समितियाँ, जिला मत्स्य पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला भू संरक्षण पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, सहायक श्रमायुक्त, उप कोषागार पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी, मधुपुर नगर परिषद, महा प्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, जिला कार्यपालक पदाधिकारी, जिला नियोजन पदाधिकारी, जिला कौशल विकास पदाधिकारी, प्राचार्य, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पेयजल एवं स्वच्छता अंचल, कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, विद्युत संचरण प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई, रूपांकण प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, देवघर/मधुपुर, कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण निगम, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, एनआरईपी, कार्यपालक अभियंता, पथ प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमण्डल, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल आदि उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

विश्वविद्यालय ने घोषित किया गया परीक्षा परिणाम

दुमका: सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका द्वारा बीएड सेमेस्टर - 2 परीक्षा 2025, सत्र 2024-26 का परीक्षाफल घोषित किया गया है। जिसमें 99.29 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए है। बता दे उक्त परीक्षा में विवि के विभिन्न केंद्रों पर कुल 1697 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दिया था। परीक्षा ओएसडी डॉ. इंद्रनील मंडल ने बताया कि परिणाम वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को दिया अंजाम

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत अंजुमन नगर में बीते शनिवार को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी की घटना की अंजाम दिया गया। जिसमें बोरिंग के लिए लाया गया आठ से नौ पाइप कीमत लगभग 40000 से 50000 एवं तीन कुंटल सरिया जिसकी कीमत लगभग 12 हजार रुपए जो चोरों के द्वारा उड़ा के गया। पीड़ित मोहम्मद कैफ पिता स्वर्गीय साहिन अंसारी ने बताया कि मैने अपने घर का निर्माण कार्य के लिए बगल के रहने वाले समदानी से समान रखने के लिए लिया था जहां बीते रात चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया है। वही बोरिंग वाला राजीव सिंह का पाइप है। वही पीड़ित द्वारा अभी तक जिरवाबाड़ी थाना में आवेदन नहीं दिया गया।

बड़ा नाला निर्माण कार्य में अनियमितता का आरोप ,आरोपियों पर कार्रवाई की मांग

साहिबगंज: नगर परिषद के वार्ड संख्या 28 में जेल गेट से सुभाष चौक तक बनाए गए आरसीसी बड़ा नाला निर्माण कार्य में समाजसेवी सिद्धेश्वर मंडल ने अनियमितता का आरोप लगाते हुए विभाग से इसकी जांच कर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की थी।इसको लेकर जिला ग्रामीण विकास शाखा के निदेशक ने 09 सदस्यीय जांच टीम गठित का गठन किया है।जांच टीम 14 अक्टूबर को मामले की जांच करेगी। जिला ग्रामीण विकास शाखा के निदेशक ने स्थल जांच के दौरान चाईबासा आरईओ के कार्यपालक अभियंता राधेश्याम मांझी,गोड्डा नगर परिषद के सहायक अभियंता रवि शेखर और साहिबगंज गंगा पम्प नहर के कनीय अभियंता बालेश्वर मुर्मू को भी मौके पर उपस्थित होकर जांच में सहयोग का निर्देश दिया है।इस दौरान निर्माण कार्य की गुणवत्ता,मानक और संभावित गड़बड़ियों की जांच की जाएगी।उन्होंने शिकायतकर्ता सिद्धेश्वर मंडल, संवेदक गणेश तिवारी और नगर परिषद के कार्यपालक अभियंता को भी जांच में शामिल होकर सहयोग का निर्देश दिया है।

अवैध कब्जे व जमीन विवाद को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी ने की कार्रवाई

देवघर: जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निदेर्शानुसार अनुमण्डल पदाधिकारी-सह-अनुमण्डल दण्डाधिकारी रवि कुमार के द्वारा रविवार को जसीडीह बाजार से अतिक्रमण हटाया गया। साथ ही रेलवे स्टेशन के आसपास के इलाकों के अलावा चकाई मोड़ में टोटो/टेंपो वाले से नो पार्किंग जोन में अवैध रूप से पार्किंग शुल्क वसूली करने वाले छोटू पांडे को गिरफ्तार कर जसीडीह थाना भेजा गया। इसके अलावा मौजा पांचुकुरा, देवघर अंचल- परती कदम सरकारी जमीन की जांच एवं मौजा रामसागर, देवीपुर अंचल- दो पार्टी में जमीन का विवाद की जांच, मौजा बिरनिया, रामूडीह, पंचायत देवीपुर अंचल - सरकारी जमीन का अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस मौके पर कार्यपालक दंडाधिकारी, संबंधित अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

नदी में डूबने से किशोर की मौत

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिले के तांतनगर थाना क्षेत्र स्थित संगम में डूबने से 15 वर्षीय किशोर कुणाल बिरुवा की मौत हो गई। घटना रविवार की है। कुणाल अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने संगम पहुंचा था, लेकिन खेल-खेल में वह डूब गया। सोमवार को भी उसके शव की तलाश की गई, लेकिन शव बरामद नहीं होने पर परिजनों ने थाना के बाहर प्रदर्शन किया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, करीब 25 लड़कों का दल संगम नदी के बीच स्थित बालू पर फुटबॉल खेल रहा था। खेल के दौरान गेंद पानी में चली गई। उसे लाने के लिए कुणाल पानी में उतरा, लेकिन गहरे पानी में चला गया और डूब गया। उसके साथियों ने बचाने की कोशिश की, पर नाकाम रहे। घटना की सूचना मिलते ही तांतनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने कुणाल के साथ मौजूद सभी 24 लड़कों को थाने में पूछताछ के लिए बुलाया है।

दो दिवसीय विभाग स्तरीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग का समापन

भैया- बहन देश के भविष्य हैं ,इन्हें बचपन से सही शिक्षा दी जाये: डॉ मृदुला सिन्हा

आयोजित दो दिवसीय विभाग स्तरीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग का समापन

संवाददाता

साहिबगंजः विद्या भारती विद्यालय जमुनादास केदारनाथ चौधरी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर,साहिबगंज के वंदना कक्ष में आयोजित दो दिवसीय विभाग स्तरीय शिशु वाटिका प्रशिक्षण वर्ग का समापन हो गया।समापन सत्र में विभाग प्रमुख रमेश कुमार,समिति सचिव डॉ मृदुला सिन्हा,सह सचिव शशि जाजोदिया विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील पंडित ने सरस्वती माता ओंकार एवं भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित किया।डॉ मृदुला सिन्हा ने बताया कि भैया,बहन ही अपने देश के भविष्य हैं।भैया बहन को बचपन से सही शिक्षा दिया जाए एवं उनका उचित लालन पालन किया जाए तो बच्चे का उचित विकास संभव है।उन्होंने बच्चों को खेल-खेल में शिक्षा देने पर जोड़ दिया।उन्होंने बताया कि आचार्य जी दीदी जी भैया बहनों को उत्साहित करें एवं उनके मनोबल को बढ़ाएं।रमेश कुमार ने शिशु वाटिका की 12 व्यवस्थाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने क्रीड़ांगन,प्राणी संग्रहालय, तरणताल, बागवानी,आदर्श घर, कला शाला, प्रदर्शनी,वास्तु संग्रहालय विज्ञान प्रयोगशाला रंगमंच,चित्र पुस्तकालय के बारे में बतलाया।12 व्यवस्थाओं के होने से विद्यालय पूर्ण होता है।उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर भी चर्चा की।साहिबगंज,बरहरवा,पाकुड़ एवं ललमटिया संकुल के आचार्य जी दीदी जी ने अपना अनुभव कथन प्रस्तुत किया।समापन सत्र का संचालन स्नेहा भारद्वाज एवं अतिथि परिचय धन्यवाद ज्ञापन सुनील पंडित ने किया।कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम के गायन के साथ हुआ।

दीपावली पटाखा की बिक्री को लेकर अस्थायी अनुज्ञप्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू

संवाददाता

साहिबगंजःदीपावली पर्व के अवसर पर आतिशबाजी पटाखा की बिक्री के लिए स्थायी एवं अस्थायी दुकानों हेतु अनुज्ञप्ति लाइसेंस प्राप्त करने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए यह महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। मुख्य विस्फोटक नियंत्रक, पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन, भारत सरकार, नागपुर के दिशा-निर्देश एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के आदेश के आलोक में यह व्यवस्था की जा रही है। साहिबगंज जिले में दीपावली के अवसर पर पटाखों की बिक्री के लिए इच्छुक व्यापारीगण दिनांक 15.10.2025 तक अपने आवेदन पत्र निर्धारित प्रपत्र में आवश्यक दस्तावेजों एवं शुल्क के साथ जिला प्रशासन कार्यालय में जमा कर सकते हैं। आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले अनिवार्य दस्तावेज निम्नलिखित हैं। निर्धारित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन, विस्फोटक संशोधन नियमावली, 2024 के नियम 86 के उपनियम 3 के अनुरूप दुकान की योजना एवं सुरक्षा प्रावधानों का विवरण,अनुमंडल पदाधिकारी या संबंधित प्राधिकारी द्वारा निर्गत आयकर प्रमाणपत्र, अग्निशमन पदाधिकारी द्वारा निर्गत अनापत्ति प्रमाणपत्र, 500 भारतीय स्टेट बैंक, साहिबगंज के नाम का चालान या बैंक ड्राफ्ट,पासपोर्ट आकार की चार 04 हालिया फोटोग्राफ, जन्मतिथि का प्रमाण, मतदाता पहचान पत्र पैन कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस आधार कार्ड की स्वप्रमाणित प्रति। शपथपत्र जिसमें यह उल्लेख हो कि पिछले 10 वर्षों में आवेदक किसी अपराध में दोषसिद्ध नहीं हुआ है।प्राप्त सभी आवेदन पत्रों की जाँच एवं निर्धारित प्रक्रिया के उपरांत योग्य आवेदकों को अस्थायी अनुज्ञप्ति प्रदान की जाएगी। दिनांक 15 अक्टूबर 2025 के बाद प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।पटाखा विक्रेताओं को सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखना अनिवार्य होगा ताकि दीपावली का पर्व सुरक्षित, स्वच्छ एवं आनंदमय वातावरण में संपन्न हो सके।

किंग खान को लेकर जैकी श्रॉफ का बड़ा बयान

अकेलापन महसूस करते हैं शाहरुख खान

सिनेमा की दुनिया में शाहरुख खान का सिक्का चलता है। किंग खान के देश और दुनिया में करोड़ों फैंस हैं। अपनी अदाकारी के बूते वे आज भी इंडस्ट्री में टॉप पर हैं। हालांकि, स्टारडम के साथ-साथ उनकी जिंदगी में अकेलापन भी आया है, ऐसा कहना है जैकी श्रॉफ का। जैकी श्रॉफ ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने शाहरुख खान को शूटिंग के दौरान सेट पर अकेले बैठा देखा। जैकी ने कहा कि सुपरस्टारडम की वजह से उन्हें शीर्ष पर अकेलापन महसूस होता होगा।

सेट पर अलग-थलग थे किंग खान: अभिनेता जैकी श्रॉफ और शाहरुख खान ने कई फिल्मों में साथ काम किया है। जैकी श्रॉफ ने हाल ही में विक्की लालवानी के साथ एक इंटरव्यू में शाहरुख खान के साथ अपनी दोस्ती के बारे में बात की।

दोनों ने 'देवदास' और 'किंग अंकल' जैसी फिल्मों में काम किया है। जैकी श्रॉफ ने इस दौरान कहा कि शूटिंग के दौरान शाहरुख खान सेट पर अकेले बैठे रहते थे, जबकि वह सम्मानजनक और करिश्माई हैं। फिर भी किंग खान अलग-थलग थे।

पसंद आई शाहरुख खान की वाइब्स3 जैकी श्रॉफ ने आगे कहा, अकेलापन, हर एक्टर को एक अकेलापन महसूस होना चाहिए। यह मुझे किसी ने बोला था। जैकी ने आगे कहा, तो मैंने उसे (शाहरुक खान) वहां अकेले बैठे देखा। वह मेरे छोटे भाई का किरदार निभा रहा था। वह सम्मानजनक था, अपने काम पर ध्यान केंद्रित करता था और वह करिश्माई और आकर्षक था। लेकिन अलग-थलग। जैसे मैं अलग-थलग था, वह भी अलग-थलग था। मुझे वह वाइब्स पसंद आई।

बोले- एवरेस्ट की चोटी पर सिर्फ आपकी छाया होगी: जैकी श्राफ ने कहा कि फिल्म 'देवदास' से पहले उन्होंने 'वन 2 का 4' जैसी अन्य फिल्मों में साथ काम किया। हालांकि, संजय लीला भंसाली की फिल्म के सेट पर यह सामान्य बात थी। उन्होंने कहा कि 'देवदास' में किरदार ऐसे थे कि अकेले बैठना स्वाभाविक था। जैकी श्रॉफ ने कहा कि जब आप सफलता के दुर्गम स्तर पर पहुंच जाते हैं, तो अकेलापन महसूस करने लगते हैं। एक्टर ने कहा, मुझे लगता है कि अगर आप एवरेस्ट की चोटी पर जाते हैं, तो आपके पास बस आपकी छाया होगी या फिर वहां सिर्फ अकेलापन है। जैकी श्रॉफ ने कहा कि किंग खान के मामले में भी उन्हें बिल्कुल ऐसा ही महसूस हुआ।

तलाक की घोषणा को लेकर चर्चा में एक्ट्रेस

'जिंदगी रोलर-कोस्टर राइड है', लता का लाइफ मंत्रा

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल से चर्चित हुई एक्ट्रेस लता सबरवाल ने पिछले दिनों अपने पति संजीव सेठ से अलगाव की घोषणा की। हाल ही में वह जिंदगी जीने के तरीकों पर बात करती दिखीं।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' सीरियल में कभी नजर आई एक्ट्रेस लता सभरवाल ने शादी के 16 साल बाद अपने पति संजीव सेठ से अलगाव की घोषणा की है। अलगाव के बाद लता अपने काम में पूरी तरह से व्यस्त हैं। वह बतौर पर्सनालिटी ग्रूमिंग मेंटर की तरह काम करती हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में लता ने जिंदगी को लेकर गहरी बातें साझा की हैं।

जिंदगी की जर्नी को एंज्वॉय करना चाहिए : अभिषेक व्यास के पॉडकास्ट में लता ने कहा, 'हमारे जीवन में एक लक्ष्य खत्म हो जाता है, दूसरा लक्ष्य सामने खड़ा हो जाता है। जिंदगी तो बस अनुभव का दूसरा नाम है। हम सबकी जिंदगी रोलर कोस्टर राइड की तरह है। अगर कोई कहता है कि उसकी जिंदगी में सब सही है, तो ऐसा नहीं है। हां, बस अपनी जिंदगी की इस जर्नी को एंज्वॉय करना चाहिए।'

कैसे शुरू हुई थी लता-संजीव की लव जर्नी : बताते चलें कि लता और संजीव सेठ ने टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में पति और पत्नी का रोल किया था। इसी सीरियल के सेट पर इन्हें प्यार हुआ, आगे चलकर ये शादी के बंधन में बंधे। इनका एक बेटा भी है। हाल ही में दोनों ने अलगाव की राह को चुना है। शादी के 16 साल बाद लता और संजीव अलग हो गए हैं। इनके फैंस जरूर इस बात से दुखी नजर आ रहे हैं, सोशल मीडिया पर लता और संजीव से अलगाव को लेकर सवाल भी कर रहे हैं।

लता ने प्राइवेसी का सम्मान करने की गुजारिश की : जब लता ने अपने अलगाव की घोषणा सोशल मीडिया पर की तो फैंस से गुजारिश भी की, इसमें एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं सभी से रिक्वेस्ट करती हूं कि प्लीज मेरे और मेरे परिवार की शांति का सम्मान करें। इस बारे में कोई सवाल न पूछें या फोन न करें।'

चुनौतियों से भरे किरदार करना चाहती हूं- सोनाक्षी

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म निकिता रॉय की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। कई फिल्मों में दमदार अदायगी से वाहवाही लूटने वाली सोना ने आईएएनएस से बातचीत में एक दबी हुई ख्वाहिश का भी इजहार किया! ब उनसे पूछा कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह और क्या करना चाहेंगी, तो इस पर दबंग अभिनेत्री ने कहा, वह इन दिनों ऐसे किरदार की तलाश में हैं जो उन्हें अलग तरह से चुनौती दें और उन्हें अलग-अलग तरीके से स्क्रीन पर पेश करें। उन्होंने आगे कहा, मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहती जो मैंने पहले किया हो या ऐसा जो मैं अपनी नींद में कर सकती हूं, बल्कि मैं ऐसा किरदार चाहती हूं जो वास्तव में मुझे नई चुनौती दे और मुझे मेरे कंफर्ट से बाहर ले जाए। इसलिए मैं पिछले नौ सालों से अलग-अलग किरदार चुन रही हूं। वहीं, मुझे नई चीजें करना पसंद भी है और इसमें काफी मजा भी आता है। सोनाक्षी ने कहा, मैं एक पीरियड ड्रामा या बायोपिक करना पसंद करूंगी। मैंने हीरामंडी जैसी पीरियड ड्रामा सीरीज की है, लेकिन मैंने बायोपिक नहीं की है। इसलिए मैं इसे करना पसंद करूंगी। इस बीच सोनाक्षी ने सन ऑफ सरदार सीक्वल का हिस्सा न होने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि शायद फिल्म की कहानी अब किसी और दिशा में जा रही है और उसमें नए किरदार होंगे। मैं इस बदलाव को पूरी तरह समझती हूं और इसका सम्मान करती हूं। सोनाक्षी सिन्हा ने आगे कहा, मैं अब प्रोफेशनल तरीके से सोचती हूं। हम इतने सालों से इस इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, तो इन ... बहुत छोटी सी बात है, कोई बड़ी बात इसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता।

राहु केतु की शूटिंग के बाद शालिनी पांडे ने मनाली के नाम लिखा दिल से भरा खत- कहा, पहाड़ों ने मुझे थाम लिया

अर्जुन रेड्डी, जयेशभाई जोरदार, महाराज और डब्बा कार्टेल जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली शालिनी पांडे ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' की शूटिंग मनाली की वादियों में पूरी की। शूटिंग खत्म होने के बाद, शालिनी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक और आत्मीय पोस्ट शेयर की – जिसमें उन्होंने इस पूरे अनुभव को एक प्रेम-पत्र और कृतज्ञता से भरी डायरी की तरह बयां किया। उन्होंने तस्वीरों की एक खूबसूरत सीरीज शेयर करते हुए लिखा॰ मनाली के लिए एक छोटा सा लव लेटरज मैंने यहाँ एक महीने बिताया, शूटिंग करते हुए, पहाड़ों की गोद में रहते हुए, और एक नई लय में खुद को ढालते हुए। मुझे अपने डॉग्स्र्छ और क्ष्क्क्र की बहुत याद आई। हर दिन। कभी-कभी ये चुप्पी भारी लगती थी... लेकिन धीरे-धीरे, मनाली ने मुझे थाम लिया। अजनबियों की चुप्पी में छिपी दया में, हिमाचली कुत्तों के प्यार में जो बस पास आकर बैठ जाते थे, सुबह की शांति और देवदार की खुशबू में... शालिनी ने आगे बताया कि 'अविर' नाम का एक छोटा कैफे, गौतम द्वारा बनाई गई नुटेला टोस्ट और अदरक-नींबू की चाय, सैम के स्टूडियो में मिट्टी से जुड़ाव, और मनाली स्ट्रेज़ जैसे एनिमल रेस्क्यू सेंटर – इन सबने उनके दिनों को खास बना दिया। मैं एक एक्टर के तौर पर मनाली काम के लिए गई थी, लेकिन वापस लौट रही हूं एक भरे हुए दिल और अनगिनत यादों के साथ।

पहले एशेज टेस्ट में खेलने की संभावना कमः पैट कमिंस

एजेंसी

सिडनी : ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने संकेत दिया है कि इंग्लैंड के खिलाफ 21 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रही एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में उनके खेलने की संभावना ह्लकमह्व है। कमिंस फिलहाल अपनी कमर की चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं और उन्होंने हाल ही में दौड़ना शुरू किया है। सितंबर की शुरूआत में कमिंस की कमर में लंबर बोन स्ट्रेस की समस्या सामने आई थी। तब से उन्होंने एक भी गेंद नहीं फेंकी है। वह आखिरी बार जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेले थे। सोमवार को सिडनी में फॉक्स क्रिकेट सीजन लॉन्च इवेंट में कमिंस ने कहा, ह्लमैं कहूंगा कि पहले टेस्ट में खेलने की संभावना कम है। लेकिन अभी थोड़ा समय बाकी है। मैं आज दौड़ रहा हूं और हर दूसरे दिन रनिंग कर रहा हूं। अगले हफ्ते से बॉलिंग की तैयारी शुरू होगी। शायद दो हफ्तों में फिर से स्पाइक्स पहनकर नेट्स में उतरूं। उन्होंने कहा, ह्टेस्ट खेलने के लिए शरीर को पूरी तरह तैयार करने में कम से कम एक महीने का समय चाहिए। अगर आप टेस्ट मैच में खेलना चाहते हैं तो आपको तैयार रहना होगा कि दिन में 20 ओवर गेंदबाजी कर सकें। चार हफ्ते काफी कम समय है लेकिन संभव है। कमिंस ने बताया कि उनकी पीठ अब काफी बेहतर महसूस कर रही है। उन्होंने कहा, ह्लकुछ दिन ऐसे होते हैं जब मैं झुंझलाता हूं क्योंकि यह एशेज है और बड़ा समर है। लेकिन फिर सोचता हूं कि पिछले सात-आठ साल से मैंने लगभग बिना रुकावट घरेलू समर खेले हैं। शायद अब मेरी बारी है थोड़ी मुश्किल झेलने की। कमिंस ने माना कि दौड़ने से गेंदबाजी तक का सफर धीरे-धीरे तय होगा। इसके लिए उन्हें विशेष जिम वर्क और बॉडी को तैयार करने में समय लगेगा। उन्होंने कहा, ह्लअब दर्द नहीं है, बस वर्कलोड को धीरे-धीरे बढ़ा रहा हूं ताकि शरीर सही प्रतिक्रिया दे। ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने पिछले हफ्ते कहा था कि कमिंस की उपलब्धता पर फैसला शुक्रवार को लिया जा सकता है। कोच को भरोसा है कि भले ही कमिंस पहला टेस्ट न खेलें, लेकिन वह एशेज सीरीज में किसी न किसी चरण में वापसी करेंगे।

'क्रिमिनल जस्टिस' फेम इस एक्ट्रेस के साथ हुआ कास्टिंग काउच?

बॉलीवुड और ओटीटी में अपने अभिनय से खास पहचान बना चुकीं बरखा सिंह ने हाल ही में एक इंटरव्यू में ऐसा खुलासा किया है जिसने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। उन्होंने बताया कि भले ही उन्हें सीधे तौर पर कभी कास्टिंग काउच का सामना नहीं करना पड़ा, लेकिन एक बार उन्हें एक ऐसा ईमेल मिला जिसने उन्हें अंदर से झकझोर कर रख दिया। लफंगे और द साबरमती रिपोर्ट जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकीं एक्ट्रेस बरखा सिंह ने कहा कि साउथ इंडस्ट्री से जुड़े एक व्यक्ति ने उन्हें ईमेल के जरिए रोल के बदले 'समझौता' करने की मांग की थी। बरखा के मुताबिक, ये प्रस्ताव इतनी सफाई से लिखा गया था मानो ये इंडस्ट्री का आम चलन हो।

ईमेल में लिखा गया था 'कॉम्प्रोमाइज जरूरी है'

बरखा ने हॉटर्फ्लाई के साथ इंटरव्यू में कहा, ईमेल में साफ लिखा था कि इतने शूटिंग डे होंगे, फिगर मेजरमेंट्स ऐसी होनी चाहिए और कॉम्प्रोमाइज जरूरी है।

प्रोफेशनल करियर में लगातार आगे बढ़ रहीं बर्खा

बरखा सिंह इन दिनों अपने करियर के बेहतरीन दौर से गुजर रही हैं। हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस 4' में उन्होंने पंकज त्रिपाठी के साथ स्क्रीन शेयर किया और दर्शकों से तारीफें बटोरीं। उनकी हालिया फिल्म 'लफंगे' में उन्होंने 'इशिता' नाम का किरदार निभाया, जो एक हल्की-फुल्की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है। इसके अलावा बर्खा की द साबरमती रिपोर्ट में उनकी गेस्ट अपीयरेंस को भी क्रिटिक्स ने काफी सराहा। अपनी मासूमियत और नेचुरल एक्टिंग के लिए बर्खा आज की यंग एक्ट्रेसेज में एक खास मुकाम रखती हैं।

किपलिमो की शिकागो मैराथन जीत पर युगांडा में जश्न

एजेंसी

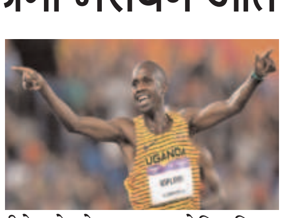

कंपाला : युगांडा के जैकब किपलिमो की ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई है। किपलिमो ने रविवार को शिकागो मैराथन 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार किसी युगांडाई खिलाड़ी के रूप में वर्ल्ड मैराथन मेजर का खिताब अपने नाम किया। किपलिमो ने 2 घंटे 02 मिनट 23 सेकंड का समय लेकर रेस पूरी की। उन्होंने केन्या के एमोस किपरूटो (2:03:54) और एलेक्स मसाई (2:04:37) को पीछे छोड़ते हुए यह ऐतिहासिक जीत दर्ज की। युगांडा की शिक्षा एवं खेल मंत्री जेनेट काताहा मुसवेनी ने ह्यएक्सह्न (पूर्व ट्विटर) पर बधाई संदेश में लिखा, ह्लबधाई हो जैकब, शिकागो में हमारे देश का झंडा ऊंचा लहराने के लिए! तुम्हारी जीत पूरे युगांडा के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है।ह्व राज्य खेल मंत्री पीटर ओगवांग ने भी किपलिमो की उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा, ह्लकिपलिमो ने एक बार फिर युगांडा का नाम रोशन किया है। हम उनके इस गौरवशाली पल का जश्न मना रहे हैं। किपलिमो, जो मौजूदा विश्व क्रॉस कंट्री चैंपियन हैं, ने इस साल की शुरूआत में लंदन मैराथन में अपना डेब्यू किया था और दूसरा स्थान हासिल किया था। शिकागो मैराथन दुनिया की छह प्रतिष्ठित वर्ल्ड मैराथन मेजर्स में से एक है। बाकी मैराथन बोस्टन, लंदन, बर्लिन, न्यूयॉर्क और टोक्यो में होती हैं।

अर्जुन रामपाल ने बच्चों को बनाया अपना क्रिटिक, राणा दग्गुबाती को बताया 'साइलेंट जीनियस'

नेटफ्लिक्स की क्राइम ड्रामा सीरीज 'राणा नायडू' के दूसरे सीजन में एक नया चेहरा चर्चा में है-राउफ। रहस्यमय, शांत और भीतर से टूटा यह किरदार अर्जुन रामपाल ने निभाया है। हाल ही में खास बातचीत में अर्जुन ने बताया कि राउफ जैसा किरदार करना उनके लिए आसान नहीं था। यह रोल उनके लिए सिर्फ एक्टिंग नहीं थी बल्कि एक गहरा अनुभव था। सीरीज राणा नायडू 2 में निभाए अपने किरदार के बारे में अर्जुन कहते हैं, मैं कोई रोल सिर्फ इसलिए नहीं करता कि उसमें स्क्रीन पर ज्यादा समय मिले या वो दिखने में अलग लगे। मेरे लिए जरूरी होता है कि वो इंसान अंदर से क्या महसूस कर रहा है। राउफ बहुत कम बोलता है, लेकिन अंदर से बहुत कुछ जी रहा होता है। बाहर से वो शांत लगता है, लेकिन अंदर से टूटा और उलझा हुआ है। राउफ के किरदार को निभाना नहीं था, राउफ को जीना था। और ऐसा करने के लिए पहले अपने आप से सच्चा होना जरूरी होता है। अगर कोई कलाकार सच्चाई ढूंढ रहा हो, तो ऐसे रोल डराते नहीं, बल्कि खुद बुलाते हैं। अर्जुन ने बताया, मैंने राणा नायडू का पहला सीजन देखा था और मुझे वो वाकई बहुत पसंद आया था। उसकी जो टोन थी...कच्ची, अलग और बहुत इमोशंस से भरी, वो आजकल कम देखने को मिलती है। शो के हर किरदार में कमियां थीं, लेकिन फिर भी उनसे जुड़ाव महसूस होता था।

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में सुनीं विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं

एजेंसी

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को पांच कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने आमजन से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं का समाधान किया। जनता दर्शन में फरियादियों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने चॉकलेट दी। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को जन-अपेक्षाओं के अनुरूप उनकी समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में बुलंदशहर से आए एक सीआरपीएफ जवान ने पीड़ा बताई। मुख्यमंत्री योगी ने मामले के समाधान केद लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

विकास से विश्वगुरु भारत का मार्ग प्रशस्त हो रहाः योगीमुख्यमंत्री ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर पोस्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में नया उत्तर प्रदेश आज देश के लिए पर्यटन से परिवर्तन की प्रेरणा बन गया है। अयोध्या धाम का दीपोत्सव, ब्रज का रंगोत्सव और काशी की देव दीपावली जैसे उत्सव हमारी विरासत को समृद्धि और संस्कृति को शक्ति में बदल रहे हैं। इसी का परिणाम है कि 2016 में जहां 21.5 करोड़ पर्यटक आए थे, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 64.9 करोड़ तक पहुंच गई। राष्ट्रीय पर्यटन की दृष्टि से उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी वर्ष 2016 में 13.1 फीसदी थी, जो 2023 में बढ़कर 18.9 फीसदी तक पहुंच गई। यही है सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अमृतकाल, जो विरासत से विश्वास, विश्वास से विकास और विकास से विश्वगुरु भारत का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

हिमाचल में 18 अक्टूबर तक नहीं बरसेंगे बादल, माइनस में केलंग का पारा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में मुरादाबाद की जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह चौहान ने की शिष्टाचार भेंट

मुरादाबाद : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुरादाबाद की जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह ने लखनऊ में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सीएम को स्मृति चिन्ह भेंट किया। जिला पंचायत अध्यक्ष ने आज (सोमवार) को बताया कि उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री से विकास कार्यों पर भी चर्चा की और जनपद में चल रहे निमार्णाधीन कार्यों के बारे में जानकारी दी। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह के साथ उनके पति डॉ. बृजेश सिंह चौहान भी मौजूद रहे।

केंद्रीय विद्यालय के क्षेत्रीय संगठन की 36वीं युवा संसद प्रतियोगिता का मंत्री ने किया शुभारंभ

एजेंसी

देहरादून : केंद्रीय विद्यालय संगठन के स्थानीय क्षेत्रीय कार्यालय की 36वीं युवा संसद प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। देहरादून के हाथीबड़कला केंद्रीय विद्यालय नबंर 2 में आज से शुरू हुई यह प्रतियोगिता 15 अक्टूबर तक चलेगी। प्रतियोगिता में उत्तराखंड के 45 केंद्रीय विद्यालयों में से चयनित 8 सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों की टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें केंद्रीय विद्यालय पिथौरागढ़, बनबासा, हल्द्वानी, उत्तरकाशी, ऋषिकेश, रायवाला एक नबंर, हाथीबड़कला और आईटीबीपी देहरादून शामिल हैं। प्रत्येक टीम में लगभग 55 विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं, जो स्थानीय, राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचार रखेंगे। प्रतियोगिता की विजेता टीम देहरादून संभाग का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर पर करेगी, जहां देशभर के 25 क्षेत्रीय कार्यालयों की सर्वश्रेष्ठ टीमें भाग लेंगी। 36वीं युवा संसद प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि युवा संसद जैसे मंच राष्ट्र की लोकतांत्रिक सोच, संवाद और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय विद्यालय की क्षेत्रीय उपायुक्त डॉ. सुकृति रैवाणी ने सभी प्रतियोगी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य निर्णायक केवी ओएनजीसी देहरादून के प्राचार्य सुशील कुमार धीमान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हाथीबड़कला दो नंबर के प्राचार्य विजय नैथानी के निर्देशन में किया गया है।

कार सवार दो छात्रों पर जानलेवा हमला, एक के पैर में लगी गोली

नोएडा, गौतमबुद्ध नगर : थाना बीटा– दो क्षेत्र में बीती रात को कार में सवार होकर जा रहे दो छात्रों के ऊपर तीन लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों द्वारा चलाई गई गोली एक छात्र के पैर में लगी है। थाना बीटा– दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि बीती रात को देवांश पांडे उसका साथी आशीष चौधरी जो की एक कॉलेज से लॉ की पढ़ाई कर रहे हैं, अपनी कार में सवार होकर जा रहे थे ,तभी उनकी कार में तरुण भाटी, फराज आदि ने मुक्का मार दिया। उन्होंने कार में मुक्का मारने का कारण पूछा तो दोनों पक्षों में विवाद हो गया। इसी बीच तरुण भाटी ने अपने एक अन्य साथी को मौके पर फोन करके बुला लिया। उसने आते ही गोली चला दी। गोली आशीष के पैर में लगी है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने फराज को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि अन्य आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है।

मिठाई की दुकानों और डेयरी में खाद्य सुरक्षा विभाग के छापे

✔ मिठाइयों में मिलावट रोकने के लिए सरकार के खाद्य सुरक्षा विभाग का प्रयास

एजेंसी

झज्जर : दिवाली के मौके पर मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट नहीं करना सुरक्षित करने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने सोमवार को बहादुरगढ़ में पांच दुकानों में छापा मारकर मिठाइयों के और एक डेयरी से दुग्ध पदार्थों के नमूने लिए। झज्जर जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश वर्मा की टीम ओर से शहर की पांच मिठाईयों की दुकान व एक डेयरी पर छापामार कार्रवाई की गई है। इस दौरान मिठाइयों के पांच, पनीर का एक और डेयरी से दूध का एक नमूना लिया। नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला में भेज दिए हैं। जांच के बाद अगर सैंपल फेल पाए जाते हैं तो संबंधित मिठाई विक्रेता व डेयरी संचालक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश वर्मा ने बताया कि त्योहारी सीजन में लगातार शिकायत आ रही हैं कि दिल्ली व बाहरी क्षेत्रों से घटिया क्वालिटी की मिठाइयां दुकानों पर बिक्री के लिए लाई जा रही हैं। ऐसे में शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए पटेल नगर चौक से दो दुकानों से तथा नाहरा-नाहरी रोड स्थित एक दुकान व झज्जर रोड स्थित एक दुकान से खोया का एकए खोया बर्फी का तीन और मीठा खोया का एक व पनीर का एक नमूना लिया है। इसके अलावा गांव सांखौल के पास दूध डेयरी से 2500 लीटर दूध को लेकर शिकायत आई थी। ऐसे में दूध का भी एक नमूना लिया गया है। इन सभी नमूना को सील करके जांच के लिए प्रयोगशाला में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि इन नमूनों की जांच रिपोर्ट 15 दिन में इन जाती है। ऐसे में जो भी नमूना फेल पाया जाता है तो संबंधित दुकानदार के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

तालिबानी प्रेस कांफ्रेंस में महिलाओं की बंदी पर ठाणे एनसीपी एसपी का प्रदर्शन

एजेंसी

मुंबई : अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के विदेश मंत्रियों द्वारा नई दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में महिला पत्रकारों को प्रवेश नहीं दिया गया। अफगानिस्तान में महिलाओं के लिए कोई जगह नहीं है। यही हरकत तालिबान ने भारत में भी की है, जबकि भाजपा सरकार इस मामले पर चुप्पी साधे हुए है। इसे तालिबानी प्रवृत्ति को बढ़ावा देने का एक तरीका बताते हुए, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरद चंद्र पवार पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. जितेंद्र आव्हाड और ज़िला अध्यक्ष मनोज प्रधान के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच, ठाणे शहर महिला अध्यक्ष सुजाताताई घाग ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल इस घटना की निंदा न करके भारत को तालिबान बनाने की कोशिश कर रहा है। इस बीच, प्रदेश प्रवक्ता रचना वैद्य ने सभी महिलाओं से तालिबान-मनुवादी विचारों को बढ़ावा देने वाली भाजपा सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। अफगानिस्तान में इस समय तालिबान का शासन है और महिलाओं पर कई तरह की पाबंदियाँ लगा दी गई हैं। उसी तालिबान सरकार में विदेश मंत्री रहे अमीर खान मुत्तक्की भारत दौरे पर हैं। उन्होंने हाल ही में भारतीय विदेश मंत्री मोदी ने भारत को तालिबान की कतार में खड़ा कर दिया है!!, जैसे नारे लगाए गए। इस अवसर पर सुजाताताई घाग ने कहा कि सत्तारूढ़ बीजेपी का महिला अधिकारों पर रुख केवल चुनाव जीतने का दिखावा नहीं है, तो वह भारत की सक्षम महिलाओं में शामिल महिला पत्रकारों का अपमान कैसे होने दे सकती है? अफगानिस्तान में लड़कियों के स्कूल जाने पर प्रतिबंध है, महिलाओं को बाहर काम करने की अनुमति नहीं है

पटाखा बनाने के दौरान विस्फोट में मजदूर की मौत, मकान मालिक गिरफ्तार

हावड़ा : हावड़ा जिले के रामराजातला इलाके में पटाखा बनाने के दौरान हुए विस्फोट में एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक का नाम आकाश हेला (32) बताया गया है। घटना के समय वह रामराजातला स्थित एक घर में पटाखे तैयार कर रहा था, तभी अचानक जोरदार विस्फोट हुआ, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल आकाश हेला को पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, बाद में गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे कोलकाता के एम.आर. बांगुर अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। हालांकि, रविवार रात उसकी मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह हादसा रामराजातला के अंबिका कुंडू लेन में स्थित केबल व्यापारी प्रदीप लाहिड़ी के घर में हुआ था। बताया जा रहा है कि कालीपूजा के अवसर पर पटाखे बनाने का काम चल रहा था, तभी शनिवार शाम अचानक विस्फोट हो गया। विस्फोट के तुरंत बाद घर मालिक प्रदीप लाहिड़ी फरार हो गया था। पुलिस ने तलाशी अभियान चलाकर रविवार रात उसे गिरफ्तार कर लिया। चटजीर्हाट थाने की पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि घर में अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि विस्फोट में इस्तेमाल किए गए रसायन कहां से लाए गए थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, विस्फोट की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग डरकर घरों से बाहर निकल आए। घटना स्थल से पटाखा बनाने की सामग्री और अधजले रसायन बरामद किए गए हैं।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन के दो उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार एवं गोला-बारूद बरामद

एजेंसी

इंपाल : मणिपुर में पुलिस और सुरक्षा बलों के द्वारा राज्य के अलग-अलग हिस्सों में उग्रवादियों के धर-पकड़ एवं हथियारों को जब्त करने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में दो उग्रवादियों को गिरफ्तार करने के साथ ही भारी मात्रा में हथियार जब्त किये गये हैं। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा सोमवार को जारी एक बयान में बताया कि सुरक्षा बलों ने कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के एक सक्रिय कार्यकर्ता, नोंगमाईथेम श्यामकुमार मैतेई उर्फ रामू (39) को गिरफ्तार किया है। आरोपित काकचिंग थाना क्षेत्र का निवासी है। उसे इंफाल पूर्व जिला के एंड्रो थानांतर्गत उचोन अवांग लेइकाई से गिरफ्तार किया। बता दें कि, कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) एक मैतेई विद्रोही समूह है जो भारत के मणिपुर राज्य में सक्रिय है। इसका गठन जनवरी, 1994 में नामोइजम ओकेन के नेतृत्व वाले यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के एक गुट ने कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) और पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेईपाक (पीआरपीके) के अलग हुए समूहों के साथ मिलकर किया था। इसी कड़ी में सुरक्षा बलों ने कांगलेईपाक कम्युनिस्ट पार्टी (प्रोग्रेसिव सोशलिस्ट काउंसिल), या (केसीपी -पीएससी) के एक सक्रिय कार्यकर्ता, कोंथौजम विकास मैतेई उर्फ तमथिबा उर्फ बुंगो (22) को गिरफ्तार किया है। आरोपित को इंफाल पश्चिम जिला के लमशांग थानांतर्गत लमशांग हाओरंग सबल ममंग लेइकाई स्थित उसके निवास से गिरफ्तार किया गया।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आज चौतरफा बिकवाली होती हुई नजर आ रही है। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर गहराने की आशंका की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान डर का माहौल बना हुआ था, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 182.60 अंक यानी 2.71 प्रतिशत टूट कर 6,552.51 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह नैस्डेक ने 820.20 अंक यानी 3.56 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 22,204.43 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। हालांकि चीन पर लगाए जाने वाले टैरिफ को लेकर रविवार को डोनाल्ड ट्रंप द्वारा नरम रुख दिखाने के कारण डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 361.80 अंक यानी 0.80 प्रतिशत उछल कर 45,841.40 अंक पर के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 9,427.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 123.36 अंक यानी 1.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,918 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 369.79 अंक यानी 1.53 प्रतिशत टूट कर 24,241.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर बिकवाली का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 7 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 1 सूचकांक मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। थाईलैंड के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने के कारण सेट कंपोजिट इंडेक्स में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। एशियाई बाजारों में इकलौता जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स आज फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 8,258.28 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 163.50 अंक यानी 0.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,238.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 491.64 अंक यानी 1.02 प्रतिशत टूट कर 48,088.80 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स में आज जबरदस्त गिरावट नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 924.32 अंक यानी 3.52 प्रतिशत फिसल कर 25,366 अंक के स्तर तक गिर गया है।

इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 1.70 प्रतिशत लुढ़क कर 3,549.14 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 424.61 अंक यानी 1.56 प्रतिशत फिसल कर 26,877.31 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.30 प्रतिशत टूट कर 3,846.25 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 1.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,378.93 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

देवदूत बनकर आई जल पुलिस ने बीच गंगा में फंसे सात श्रद्धालुओं की बचाई जान

हरिद्वार : धर्मनगरी हरिद्वार में गंगा नदी के अचानक जलस्तर बढ़ने से एक टापू पर फंसे सात श्रद्धालुओं को जल पुलिस ने देवदूत बनकर सकुशल रेस्क्यू कर लिया। यह श्रद्धालु पंजाब, मेरठ, जालंधर और बंगाल के निवासी हैं। जानकारी के अनुसार, नहाने के दौरान सात श्रद्धालु गंगा के बीच टापू तक पहुंच गए थे, लेकिन अचानक गंगा का जल स्तर बढ़ने लगा, जिससे वे बीचों–बीच फंस गए। उनकी जान का खतरा देख कर जल पुलिस की टीम तुरंत हरकत में आई और बिना समय गंवाए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। जल पुलिस के जवानों ने नावों के जरिए तेजी से श्रद्धालुओं तक पहुंचकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। बचाए गए सभी सातों श्रद्धालु अलग–अलग राज्यों से हरिद्वार आए थे, जिनमें पंजाब, मेरठ, जालंधर और बंगाल के लोग शामिल हैं। जल पुलिस की त्वरित और सफल कार्रवाई की बदौलत एक बड़ा हादसा टल गया। श्रद्धालुओं और उनके परिजनों ने जल पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस ने सभी यात्रियों से गंगा में स्नान करते समय सावधानी बरतने और जलस्तर का ध्यान रखने की अपील की है।

पुंछ के डिंगला में टाटा मोबाइल दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत, एक अन्य घायल हो घायल

पुंछ: पुंछ जिले के डिंगला इलाके में सोमवार को एक टाटा मोबाइल वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना में पंजीकरण संख्या जेके08एफ–7490 वाला टाटा मोबाइल शामिल था। बताया जाता है कि वाहन ने नियंत्रण खो दिया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिससे उसमें सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान सत्तार दीन के बेटे मोहम्मद रफीक (60 वर्ष) के रूप में हुई है जबकि घायल व्यक्ति की पहचान अब्दुल बरहान के बेटे मोहम्मद सैफ के रूप में हुई है। पुलिस और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और घटना की आगे की जांच जारी है।

स्कूल की जमीन खरीद मामले में जिला पंचायत अध्यक्ष और पूर्व विस अध्यक्ष के बेटे सहित सात पर केस दर्ज

हल्द्वानी : काठगोदाम थाना पुलिस ने गौलापार देवला तल्ला, पजाया क्षेत्र में सरकारी जमीन की खरीद–फरोख्त के 13 साल पुराने मामले में जिला पंचायत अध्यक्ष और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल के बेटे सहित सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। की है। यह कार्रवाई आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल के निर्देश पर कार्रवाई की गई। दरअसल, बसंतपुर, किशनपुर गौलापार निवासी रविशंकर जोशी ने अगस्त 2025 में आईजी कुमाऊं को एक शिकायत पत्र भेजकर आरोप लगाया था कि आरोपितों ने यह जानते हुए भी विवादित भूमि की खरीद की कि वह सरकारी जमीन से जुड़ी है। शिकायत में कहा गया था कि इस लेन–देन से राजकीय कोष को नुकसान पहुंचा है। इस मामले की जांच कमिश्नर की अध्यक्षता वाली लैंड फ्रॉड जांच समिति को सौंपी गई थी। आईजी रिद्धिम अग्रवाल के मुताबिक, जांच में सभी आरोपितों की भूमिका और संलिप्तता पाई गई, जिसके बाद पुलिस ने काठगोदाम थाना पुलिस ने जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरम्वाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल के बेटे हरेन्द्र कुंजवाल सहित सात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया है। इस संबंध में जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरम्वाल ने कहा कि उन्होंने रजिस्ट्री के जरिए जमीन खरीदी है और प्रकरण फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है। हम न्यायालय के निर्णय का पूरा सम्मान करेंगे। हमें दर्ज मुकदमे की जानकारी नहीं थी। वहीं, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने सफाई देते हुए कहा कि उनके बेटे हरेन्द्र कुंजवाल ने वैधानिक प्रक्रिया के तहत जमीन खरीदी है। दाखिल–खारिज उनके नाम है। अगर किसी तरह की गड़बड़ी है, तो कार्रवाई जमीन बेचने वाले के खिलाफ होनी चाहिए। कोर्ट का जो भी फैसला होगा, हम उसका सम्मान करेंगे।

पानीपत सेक्टर छह में रेलवे की जमीन पर अवैध निर्माण को लेकर हंगामा

पानीपत : हरियाणा के पानीपत के सेक्टर छह में रविवार रात को रेलवे की जमीन पर एक दीवार के अवैध निर्माण को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि यहां पर कॉलोनी के कुछ दबंग लोग रेलवे की खाली पड़ी जमीन पर दीवार बनाकर रास्ता बंद कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने जब इसका विरोध किया तो हंगामा खड़ा हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को समझा बुझा कर मामला शांत कराया। सेक्टर 6 के रहने वाले विजेंद्र ने बताया कि यह रास्ता लोगों के आने जाने के लिए पहले बना था। अब रेलवे ने सेक्टर के पास ही नया अंडर पास बना दिया है। उसके बाद भी यहां से लोग इधर से आकर लोगों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं। इसलिए यह रास्ता को बंद किया जाए। कॉलोनी निवासी पुनीत का कहना है कि रास्ता खुला रहने से शाम के समय कुछ लोग यहां पर इस रास्ते से आते है। कॉलोनी में लोग शाम के समय टहलते है तो वह खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करते। इसी कारण से रास्ता बंद करने की मांग कर रहे थे। सेक्टर 13–17 थाना एसएचओ किरण ने बताया कि देर रात करीब 11 बजे विवाद की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस और सीआईए–2 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया गया। उन्होंने बताया कि मौके पर रेलवे पुलिस को भी बुलाया गया था। जीआरपी थाना प्रभारी राजेश कुमार ने कहा कि रेलवे की खाली जमीन पर अवैध रूप से दीवार निर्माण किया जा रहा था। कॉलोनीवासियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वह रेलवे की जमीन पर किसी भी तरह का निर्माण कार्य न करें। रेलवे अधिकारियों को इस बारे में जानकारी दे दी गई है। और अगर फिर भी अवैध निर्माण किया जाता है तो निर्माण कार्य में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

एन. चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ा, टाटा संस का 2032 तक करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली : टाटा समूह में विवाद के बीच एन. चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ा दिया गया है। अब 2032 तक वे टाटा संस के चेयरमैन रहेंगे। जो चंद्रशेखरन 1987 में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) टीसीएस में इंटर्न थे। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि टाटा ट्रस्ट ने समूह की पारंपरिक सेवानिवृत्ति नीति को तोड़ते हुए पहली बार टाटा संस के अध्यक्ष के रूप में एन. चंद्रशेखरन का तीसरा कार्यकाल 2032 तक बढ़ाने को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी है। इस विस्तार के बाद वे 70 वर्ष की आयु तक इस पद पर बने रहेंगे। उनका वर्तमान कार्यकाल फरवरी, 2027 में समाप्त हो रहा है। उल्लेखनीय है कि तीसरे कार्यकारी कार्यकाल को मंजूरी मिलने से टाटा समूह की लंबे समय से चली आ रही सेवानिवृत्ति नीति में बदलाव आया है। यह पहली बार है, जब कोई अध्यक्ष सेवानिवृत्ति की आयु के बाद भी पूर्ण कार्यकारी पद पर बना रह सकता है।

राजगढ़: नवविवाहिता ने घर में साड़ी का फंदा लगाकर की खुदकुशी, जांच शुरू

राजगढ़ : राजगढ़ कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम बांक्यापुरा में 24 वर्षीय महिला ने कमरे में म्याल से साड़ी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार बीती रात ग्राम बांक्यापुरा निवासी 24 वर्षीय कांतीबाई पत्नी केदारसिंह तंवर ने कमरे में म्याल से साड़ी का फंदा लगाकर फांसी लगाई परिवार की कमलीबाई और नानूबाई ने उसे फंदे पर लटका देखा तो फंदा काटकर नीचे उतारा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के जिला अस्पताल पहुंचाया। महिला ने किन हालातों के चलते यह आत्मघाती कदम उठाया, इसका वास्तविक पता नही लग सका। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले में जांच शुरू की।

राजमार्ग पर मिली बैंकों की पासबुक, चेकबुक और एटीएम कार्ड की बोरी, पुलिस जांच में जुटी

मीरजापुर : चुनार कोतवाली क्षेत्र के पुरनपट्टी गांव के पास राजमार्ग–74 पर सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब ग्रामीणों ने सड़क किनारे दर्जनों बैंकों के पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड, रजिस्टर व अन्य कागजात बिखरे देखे। सुबह मार्निंग वॉक पर निकले ग्रामीणों ने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची चुनार पुलिस ने सभी कागजातों को समेटकर बोरी में भरकर कोतवाली ले गई। बताया जा रहा है कि बरामद दस्तावेजों में कई अन्य जनपदों के बैंक खातों से संबंधित सामग्री भी शामिल है, जिससे पुलिस की जांच का दायरा बढ़ गया है। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं। कोतवाल सुनील कुमार सिंह ने बताया कि राजमार्ग पर मिले सभी दस्तावेजों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

आत्मनिर्भर भारत नारा नहीं बल्कि एक संकल्प है: अन्नपूर्णा देवी

संवाददाता

दुमका: भारतीय जनता पार्टी दुमका जिला द्वारा रविवार को अग्रसेन भवन, दुमका में दुमका विधानसभा स्तरीय आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सह संथाल परगना प्रभारी बालमुकुंद सहाय मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद ने की।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश एक नए युग में प्रवेश कर चुका है – यह आत्मनिर्भर भारत का युग है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक संकल्प है जो देश के हर नागरिक को सशक्त बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। आज देश की महिलाएं, किसान, युवा, उद्यमी, लघु उद्योग और गरीब तबका आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।
उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं – जैसे प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जनधन योजना, और किसान सम्मान निधि – ने देश के करोड़ों लोगों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। उन्होंने कहा कि झारखंड जैसे राज्य में भी अब केंद्र की योजनाओं का लाभ तेजी से आम जनता तक पहुंच रहा है। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने संथाल परगना की जनता से आह्वान किया कि वे आत्मनिर्भर भारत के इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और विकास की इस धारा को और मजबूत करें। उन्होंने आमजनों से आह्वाहन किया कि अधिक से अधिक रूप में स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग अपने दैनिक जीवन में करें ।
प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने जो कार्य किया है, उससे देश की छवि विश्व पटल पर मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता ही आत्मनिर्भर भारत अभियान के असली वाहक हैं, जो जनकल्याण के कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद ने कहा कि भाजपा केवल चुनाव लड़ने वाली पार्टी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब हर नागरिक इसमें सहभागी बने। कार्यक्रम का संचालन दुमका विधानसभा संयोजक अमरेंद्र सिंह मुन्ना ने किया। जिला मीडिया सह प्रभारी नवल किस्कू ने बताया इस अवसर पर प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा,दुमका जिला प्रभारी संजीव जजवाड़े,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुरेश मुर्मू,निवास मंडल,अनुज आर्या,डॉ अंजुला मुर्मू,अमिता रक्षित,पवन केसरी,धर्मेंद्र सिंह,विवेकानंद राय, मार्शल ऋषिराज टुडू,बबलू मंडल,गुंजन मरांडी,सोनी हेंब्रम,पिंटू अग्रवाल,गौरीशंकर यादव,ममता साह,रूपेश मंडल,फारूख अनवर,मनोज साह,मृणाल मिश्रा,अजय गुप्ता,ओम केशरी,गोपीनाथ दत्ता, दीप्तांशु कोचगवे,प्रिय दत्ता,सहदेव मरांडी,गणपति पाल,नरेश मंडल,अभिजीत सुमन,नकुल साह,गायत्री जायासवाल,अमान राज,ध्रुवज्योति महंता,दीपाली मंडल,नीतू झा,टिंकू गण,प्रवीण सिंह, इंद्रजीत कुमार,कुश पाल,रामकृष्ण हेंब्रम जिला एवं मंडल के पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, महामंत्री तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

दिव्यांगों की बैठक में दिव्यांग सहयोग समिति बनाने का निर्णय

साहिबगंज/बरहरवा: बोहरा गेस्ट हाउस परिसर में रविवार को दिव्यांगों की एक बैठक दिव्यांग सरवन कुमार डोकानिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस दौरान मौके पर बरहरवा एंव पतना के दर्जनों दिव्यांग मौजूद हुए। इस दौरान दिव्यांगों की समस्या से रूबरू होते हुए अध्यक्ष सरवन कुमार डोकानिया ने बरहरवा, पतना दिव्यांग सहयोग समिति बनाने का निर्णय लिया है। इस दौरान उन्होंने बताया कि दिव्यांग सहयोग समिति का गठन कर क्षेत्र के दिव्यांगों को समाज में समान अवसर और अधिकार प्रदान करने हेतु,और विभिन्न सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं तक दिव्यांगों की पहुंच बनाने को लेकर दिव्यांग सहयोग समिति अति अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया अब तक दिव्यांगों के नाम पर लोगों ने छलने का कार्य किया है,इसलिए दिव्यांग स्वयं सहयोग समिति के माध्यम दिव्यांग अपने हक के लिए स्वयं सरकार के दरवाजा खटखटाने का कार्य करेंगे,ताकि दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सहयोग मिल सके और दिव्यांग जन किसी के अधीन नहीं हो,बल्कि स्वैच्छिक रूप से कार्य कर अपना जिवकोपार्जन कर सके।और दिव्यांग लोगों को समाज में सम्मान और समानता के साथ जीने का अधिकार प्राप्त हो सके। मौके पर मुख्य रूप से जंगलू महतो, कुमारी रीना,बबलू कुमार साह,जितेन साह,दीपक मंडल, गुड़िया देवी जयप्रकाश,सुनीता मरांडी, सुमन रामानी सहित मौजूद रहे।

बंदरगाह के लिए जमीन के बदले पुनर्वास का दिया आश्वासन

साहिबगंज: सकरीगली,समदानाला बंदरगाह के विस्थापितों ने रविवार को आश्रम में बैठक की।इसकी अध्यक्षता बीरबल मंडल ने की।इस दौरान उन्होंने बताया कि 2015 में डीसी,ऐसी व अन्य प्रशासनिक पदाधिकारियों ने बंदरगाह के लिए जमीन के बदले बंदरगाह के आसपास ही पुनर्वास का आश्वासन दिया था। जिसके बाद ग्रामीणों ने संविधान व सरकार के आदेश का पालन करते हुए क्षेत्र के विकास के लिए अपनी जमीज बंदरगाह के लिए दे दी। इसके बाद कार्मचारियों के घर तोड़ने के दौरान ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। बताया कि एक पिता के ने अगर अपने 4 बच्चों के लिय 8 कट्ठा जमीन रखी थी तो कार्मचारियों ने सिर्फ एक अवार्ड बनाया। उनकी 8 कट्ठा जमीन जा रही है तो सरकार 3 का वैल्यू देने की बात कर रही है। मोची टोला में 16 एकड़ जमीन दिखा कर बसाने की बात कही गई थी। खाली जमीन वाले खाली हटाने का प्रयास किया गया। विस्तापितों ने तालझारी प्रखण्ड के बांसकोला में उन्हें पुनर्वासित न कर बंदरगाह के आसपास ही बसाने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि वे गंगा पार के रामपुर, बलुआ,टोपरा और काला दियारा में खेती और पशुपालन कर अपना जीवन यापन करते है।इस कारण उन्हें रोज दियारा जाना होता है। लेकिन उनका वर्तमान निवास स्थान से बांसकोला करीब 04 किलोमीटर दूर है। यदि उन्हें बांसकोला में बसाया जाता है तो वे रोज आवागमन नहीं कर पाएंगे। मौके पर रामानन्द सिंह,बीरबल मंडल,राजेंद्र सिंह,शिव मंडल, रामानंद दास,धनराज यादव,चतुरानंद मंडल,बबलू मंडल,संजय रजक, लालमुनी देवी,मीणा देवी,रामसिपही सिंह,प्रमोद मंडल,जगरनाथ सिंह,छंगलू सिंह,विकास कुमार सिंह,अजय मंडल, कैलाश मंडल,अमित मंडल सहित दर्जनों अन्य मौजूद थे।

बीच सड़क पर ट्रक खराब होने से लगा जाम, दो घंटे फंसे रहे राहगीर

जमशेदपुर : सुंदरनगर थानांतर्गत रेलवे फाटक के पास एक ट्रक के खराब होने के कारण सुंदरनगर-परसुडीह रोड पर वाहनों की लंबी कतार लग गयी। जाम के कारण आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने के बाद सुंदरनगर पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से ट्रक को सड़क किनारे करवाया। जिसके बाद वाहनों का आवागमन शुरू हुआ। घटना रविवार की सुबह करीब पांच बजे से सात बजे के बीच की है। मिली जानकारी के अनुसार परसुडीह से सुंदरनगर की ओर एक मालवाहक ट्रक जा रहा था। रेलवे फाटक पार करने के बाद ट्रक का गुल्ला टूट गया। जिसके कारण ट्रक बीच सड़क पर बंद हो गया। सुबह होने के बाद जब वाहनों का आवागमन ज्यादा हुआ, तो जाम की स्थिति बन गयी।

आत्मनिर्भर भारत पर एक दिवसीय कार्यशाला

विकसित भारत बनाने के संकल्प को पूरा करने में आम भारतीयों की भागीदारी महत्वपूर्ण : बजरंगी

संवाददाता

साहिबगंज: उधवा के श्रीधर पंचायत भवन में भाजपा की सांगठनिक मंडल राधानगर मंडल भाजपा की आत्मनिर्भर भारत पर एक दिवसीय कार्यशाला राधानगर मंडल के महामंत्री तमाल मंडल की अध्यक्षता में संपन्न हुई।इस बैठक में मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव शामिल हुए।कार्यशाला में सभी अतिथियों ने भारत माता के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यशाला में मुख्य अतिथि बजरंगी प्रसाद यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के संकल्प को पूरा करने में आम भारतीयों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। श्री यादव ने कहा की लोगों को रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल करने वाले सभी सामान स्वदेशी हो यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। इस कार्यशाला में कार्यशाला के प्रभारी पंकज घोष, हरिबोल मंडल,सनातन मंडल,कमलेश मंडल,नवल किशोर मंडल,प्रभु मंडल कृष्णा मंडल,उदय मंडल,वरुण मंडल, नारायण मंडल,विश्वजीत मंडल,संदीप घोष,राहुल मंडल,कृष्ण कुमार शर्मा सहित अन्य कार्यकर्तागण शामिल थे।

चुनाव आते ही घुसपैठिए याद आते हैं, खत्म होते ही गायब हो जाते हैं: पवन खेड़ा

रांची: कांग्रेस पार्टी के मीडिया एवं कम्युनिकेशन विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए सेवा विमान से झारखंड की राजधानी रांची पहुंचे।
इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, प्रदेश कांग्रेस महासचिव आलोक कुमार दुबे, मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव, संयोजक सतीश पाल मुंजिनी और प्रवक्ता डॉ एम तौसीफ ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर उनका से स्वागत किया। मीडिया कर्मियों से बातचीत के दौरान खेड़ा ने कहा कि 'जब-जब चुनाव होते हैं, तब-तब घुसपैठिए याद आते हैं और चुनाव खत्म होते ही वे गायब हो जाते हैं। चाहे झारखंड हो, बिहार हो या बंगाल - घुसपैठियों के लिए सीधे तौर पर केंद्र की सरकार और गृह मंत्री जिम्मेदार हैं।'
महिला उत्पीड़न के मामलों पर प्रतिक्रिया देते हुए खेड़ा ने कहा कि 'हम 21वीं सदी में जी रहे हैं, लेकिन यदि समाज और सरकार इस मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए, तो यह दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है।' बिहार चुनाव को लेकर खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस गठबंधन के साथ पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगी और सीटों का बंटवारा जल्द ही तय कर लिया जाएगा।

टाटा-आद्रा मार्ग में आज से 19 तक कई ट्रेनें रद्द, कुछ शॉर्ट टर्मिनेट व डायवर्ट

संवाददाता

जमशेदपुर : चक्रधरपुर और आद्रा डिवीजन में रेलवे ट्रैक पर निर्माण संबंधी कार्य होने के चलते कई ट्रेनों को रद्द, शॉर्ट टर्मिनेट, री-शिड्यूल व डायवर्ट करने का फैसला रेलवे ने किया है। इस संबंध में रेलवे अपने यात्रियों को एडवाइजरी जारी कर दी है, ताकि उन्हें अपनी संबंधित तिथियों पर यात्रा में किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो। रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार आसनसोल-आद्रा-आसनसोल (68046-68045) मेमू पैसेंजर 19 को रद्द रहेगी। आद्रा-भागा-आद्रा (68077-68078) मेमू पैसेंजर 13, 14 और 19 अक्टूबर को रद्द रहेगी। मुंजनइ-चंद्रपुरा-भोजूडीह (68079-680780) मेमू पैसेंजर 14, 17 और 18 अक्तूबर को रद्द रहेगी। आद्रा-मिदनापुर-आद्रा (68090-68089) मेमू पैसेंजर 17 अक्तूबर को रद्द रहेगी। शॉर्ट टर्मिनेट होनेवाली ट्रेनें में टाटा-आसनसोल-बराभूम (68056-68060) मेमू पैसेंजर 14 अक्तूबर को आद्रा तक ही चलेगी। इसकी सेवा आद्रा-आसनसोल-आद्रा के बीच रद्द रहेगी। झाड़ग्राम-धनबाद-झाड़ग्राम (18019-18020) 14 और 17 को बोकारो स्टील सिटी तक चलेगी। इसकी सेवा बोकारो स्टील सिटी से धनबाद-बोकारो स्टील सिटी में स्थगित रहेगी। वर्द्धमान-हटिया-वर्द्धमान (13503-13504) मेमू एक्सप्रेस 14 और 17 को गोमो तक ही चलेगी। इसकी सेवा गोमो-हटिया-गोमो के बीच स्थगित रहेगी। शालीमार-भोजूडीह-शालीमार एक्सप्रेस 13 व 14 अक्तूबर को आद्रा तक ही चलेगी। यह ट्रेन आद्रा-भोजूडीह-आद्रा के बीच रद्द रहेगी।
बक्सर-टाटा एक्सप्रेस को री-शिड्यूल किया गया है। बक्सर-टाटा (18184) एक्सप्रेस ट्रेन 19 अक्तूबर को बक्सर से 90 मिनट देर से रवाना होगी। डायवर्ट की गयी ट्रेन में टाटा-हटिया (18601) एक्सप्रेस 15 अक्तूबर को सीनी-गुंडा बिहार-मुरी के रास्ते चलेगी। यह ट्रेन सीनी, पुरुलिया-कोटशिला के रास्ते नहीं चलेगी।

जिला कमेटी की बैठक

दीपावली नहीं मनाने व उसी दिन 30 घंटे के मुख्यमंत्री आवास के घेराव का निर्णय

संवाददाता

साहिबगंज:शहर के रेलवे जेनरल इंस्टीच्यूट मैदान में झारखण्ड मनरेगा कर्मचारी संघ के आह्वन पर जिला कमेटी की बैठक अनवारुल हक की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मनरेगा कर्मचारी संघ अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर चर्चा किया।बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य में पूर्ण निर्धारित कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु 20 अक्टूबर को अपने परिवार के संघ दीपावली पर्व को नहीं मनाते हुए उसी दिन 30 घंटे का मुख्यमंत्री आवास घेराव करने का निर्णय लिया गया।वहीं बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी मनरेगा कर्मी इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपने अपने प्रखंड में बैठक करेंगे।मौके पर मनोज दुबे,कन्हैया कुमार,चार्ल्स मरांडी अरुण कुमार उपाध्याय,अंबिका प्रसाद मंडल,मो अमजद आलम,सुनील कुमार,कृष्णकांत पासवान,सुबोध कुमार,विनोद कुमार साह,दिनेश कुमार पंडित,मनोज यादव सहित मनरेगा कर्मी मौजूद थे।

धनबाद क्लब में डांडिया महोत्सव गरबा की धुन पर झूमे सदस्य

धनबाद: क्लब में रविवार की शाम मिनी गुजरात उतर आया। अवसर था भव्य डांडिया महोत्सव का। इसमें क्लब के सदस्य और अतिथि पारंपरिक गुजराती गरबा और डांडिया नृत्य का आनंद लेते नजर आये। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि क्लब के अध्यक्ष सह उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने संयुक्त रूप से की। इसके बाद वातावरण डांडिया के गीतों से गूंज उठा। प्रसिद्ध कलाकार किशन बुद्धदेव व उनके बैंड द्वारा प्रस्तुत लाइव म्यूजिक ने शाम को और भी जोशपूर्ण बना दिया। उपस्थित दर्शक डांडिया की धुनों पर थिरकते नजर आये। कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ डांसर, सर्वश्रेष्ठ परिधान और अन्य श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किये गये। महोत्सव में पारंपरिक गुजराती और अन्य भारतीय व्यंजनों के स्टॉल भी आकर्षण का केंद्र बने, जहां लोगों ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। क्लब के वरीय उपाध्यक्ष चेतन गोयनका, उपाध्यक्ष रूपेश बंसल, सचिव अतुल डोकानिया, रीता चावड़ा समेत समिति के सभी सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभायी।